राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार , 11 मार्च 2026
वर्ष 16, अंक 79, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

बलरामपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अंतरजनपदीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफार्श...03

गंगा मेला आज : ऐतिहासिक हटिया मेला-गंगा मेला के मद्देनजर पुलिस आयुक्त ने किया निरीक्षण...04

पाक्सो के दुरुपयोग को रोकने के लिए जागरूकता जरूरी : मद्रास हाईकोर्ट

किशोर संबंधों में असर लड़कों को भुगतने पड़ते हैं परिणाम।

स्वतंत्र प्रभात

ब्यूरो प्रयागराज। मद्रास हाईकोर्ट ने हाल ही में एक युवक की दोषसिद्धि को रद्द कर दिया, जिसे निचली अदालत ने आईपीसी की धारा 366 तथा पाक्सो एक्ट, 2012 की धारा 5(द्य) सहपठित धारा 6 के तहत एक नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न के आरोप में दोषी ठहराया था। जस्टिस एन माला ने कहा कि यह मामला दो किशोरों के बीच सहमति से बने संबंध का प्रतीत होता है, जो अंततः माता-पिता के विरोध के कारण विवाद में बदल गया। अदालत ने टिप्पणी की कि ऐसे मामलों में अक्सर परिणामों का सामना केवल लड़कों को करना पड़ता है। अदालत ने कहा, 'यह एक सामान्य मामला है जिसमें किशोरों के बीच सहमति से बने संबंध का अंत माता-पिता के मतभेद के कारण हुआ। ऐसे मामलों में अक्सर लड़की पर परिवार का दबाव होता है और बाद में उसकी शादी कहीं और करा दी जाती है, जिसके बाद लड़के के खिलाफ पाक्सो के तहत आपराधिक मुकदमा दर्ज करा दिया जाता है, जिससे उसे लंबी अवधि तक जेल में रहना पड़ता है।' अदालत ने यह भी कहा कि यदि पाक्सो अधिनियम की धारा 43 के तहत कानून के प्रावधानों और उसकी कठोरता के बारे में व्यापक जागरूकता फैलाई जाए तो ऐसे मामलों में कमी लाई जा सकती है। न्यायालय ने कहा कि इस कानून के कठोर प्रावधानों की जानकारी के अभाव में इसका दुरुपयोग होने की संभावना बढ़ जाती है। इसी संदर्भ में अदालत ने तमिलनाडु के चीफ सेक्रेटरी को निर्देश दिया कि वे पाक्सो अधिनियम की धारा 43 का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाएं और आम जनता, बच्चों तथा अभिभावकों में कानून के प्रति जागरूकता बढ़ाएं। अदालत ने यह भी सुझाव दिया कि सरकारी और निजी स्कूलों तथा कॉलेजों में जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएं, ताकि कानून और उसके परिणामों के बारे में जानकारी दी जा सके। यह मामला उस अपील से संबंधित था जिसमें आरोपी ने स्पेशल कोर्ट नागरकोइल के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उसे दोषी ठहराया गया था। अभियोजन के अनुसार, घटना के समय लड़की की उम्र 16 वर्ष थी। आरोपी, जो लड़की के भाई का मित्र था, उससे परिचित हुआ और बाद में उससे प्रेम का इज़हार करते हुए विवाह की इच्छा जताई। लड़की ने बताया कि उसके माता-पिता उसकी इच्छा के विरुद्ध शादी कराना चाहते हैं, जिसके बाद आरोपी उसे घर से ले गया और अपने रिश्तेदार के घर में उससे विवाह कर लिया। बाद में जिला बाल संरक्षण अधिकारी को एक गुमनाम कॉल मिलने पर दोनों को हिरासत में लिया गया। हालांकि अपील में आरोपी ने तर्क दिया कि दोनों के बीच प्रेम संबंध था और लड़की ने स्वेच्छा से उसके साथ जाने का निर्णय लिया था। उसने यह भी कहा कि लड़की के शुरुआती बयानों में उसके खिलाफ कोई आरोप नहीं था और निचली अदालत ने उसके विरोधाभासी बयान पर भरोसा करके गलती की। अदालत ने पाया कि लड़की की उम्र साबित करने के लिए अभियोजन ने जन्म प्रमाणपत्र और ट्रांसफर सर्टिफिकेट की केवल फोटोकॉपी पेश की थी, जबकि उनके मूल दस्तावेज उपलब्ध थे।

12 लाख पेंडिंग केस, जज महज 110, 'भूखा और थका हूं' कहने वाले जज की क्या है मजबूरी

इलाहाबाद हाईकोर्ट मुकदमों के बोझ तले दबा हुआ है. यहां नए-पुराने करीब 12 लाख केसेज पेंडिंग हैं. इनमें कई पुराने मुकदमे ऐसे हैं जिनका नए मुकदमों के बीच नंबर ही नहीं आ रहा है. मतलब साफ है न्याय के लिए लंबी वेटिंग चल रही है.

जजों को भी नहीं पता कि कॉलेजियम कहाँ बैठता है: सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता

प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता ने शनिवार को कॉलेजियम के कामकाज में पारदर्शिता न होने पर चिंता जताई, जो हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों को अपॉइंट करता है। उन्होंने कहा कि ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट आखिरकार जेंडर के आधार पर नंबरों के आधार पर नहीं, बल्कि मेरिट के आधार पर होने चाहिए।वह महिला दिवस मनाने के लिए इंडियन वीमेन इन लॉ (IWiL) द्वारा आयोजित एक कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। जस्टिस दत्ता ने कहा कि ट्रांसपेरेंसी की कमी इतनी है कि जजों को भी अक्सर इस बारे में बहुत कम क्लैरिटी होती है कि कॉलेजियम कैसे काम करता है और यह कहाँ मिलता है।उन्होंने कहा, 'आपको यह जानकर हैरानी होगी कि न केवल हम जानते हैं कि क्या हो रहा है... हमें यह भी नहीं पता कि कॉलेजियम कहाँ बैठ रहा है।' उन्होंने कहा कि ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट आखिरकार जेंडर के आधार पर नंबरों के आधार पर नहीं, बल्कि मेरिट के आधार पर होने चाहिए।वह महिला दिवस मनाने के लिए इंडियन वीमेन इन लॉ (IWiL) द्वारा आयोजित एक कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। जस्टिस दत्ता, जो पहले बॉम्बे हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रह चुके हैं, ने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान, ऑब्जेक्टिव क्राइटेरिया की कमी का मतलब था कि जजों को अपने सामने पेश होने वाले वकीलों के अपने असेसमेंट पर निर्भर रहना पड़ता था।उन्होंने कहा, 'बॉम्बे हाई कोर्ट में, क्योंकि कोई ऑब्जेक्टिव क्राइटेरिया नहीं था, इसलिए हमने अपने सामने वकीलों के परफॉर्मेंस का असेसमेंट किया।' बाद में जज बनी महिलाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा: 'जस्टिस शंपा सरकार, जस्टिस अमृता सिन्हा, जस्टिस मौसमी भट्टाचार्य, जब मैं वहां (कलकत्ता हाई कोर्ट) था तो मैंने जिस तरह की पूछताछ की... अब मुझे यकीन है कि वे सभी वकीलों को संभाल सकती हैं।' जस्टिस दत्ता ने ज्यूडिशियरी में महिलाओं के रिप्रेजेंटेशन पर बातचीत को सिर्फ नंबरों तक सीमित करने के खिलाफ चेतावनी दी। 'जब समय का एक किस्सा भी सुनाया जब उन्होंने एक महिला वकील के प्रमोशन के सुझाव को मना कर दिया था।'एक जज ने मुझे फ़ोन किया और कहा कि छह लोगों के नाम रिकमेंड किए जा रहे हैं। महिला के नाम क्यों नहीं? मैंने उस जज से कहा नहीं। मैंने कहा कि वह वकील मेरे सामने पेश हुई और वह नासमझ है और मुझे उसे मैच्योर होने के लिए समय देना होगा।' जम्मू और कश्मीर हाई कोर्ट की पूर्व चीफ जस्टिस गीता मित्तल ने रविवार को खुलकर उन चुनौतियों के बारे में बात की जिनका सामना महिलाओं को ज्यूडिशियरी में आने और आगे बढ़ने में करना पड़ता है। सरकार ने कहा, 'एक पुराना क्लाइंट आया और जब मैं आगे बढ़ी तो उसने कहा 'अरे यह सब लड़की दुल्हन मत दीजिए'। फिर एक पुरुष सहकर्मी उसके साथ चला गया। अगर मैंने तब आपत्ति जताई होती, तो यह खत्म हो गया होता।' सरकार ने आगे कहा कि महिला वकीलों को मेंटरशिप की कमी, सैलरी में अंतर और कोर्टरूम के अंदर के रवैये जैसी दूसरी रुकावटों का भी सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, 'मेंटरिंग की कमी है और उन्हें अच्छे सीनियर नहीं मिलते। फिर स्ट्रक्चरल पेमेंट का मुद्दा है। उनसे पूछा जाता है 'कितना काम लेती हो? इतना तो पॉकेट मनी देंगे'। तो यह एक और मुद्दा है। फिर कोर्टरूम बायस आता है। जजों ने भी कई बार हमें गंभीरता से नहीं लिया है।'

मुकदमों की पेंडिंग लिस्ट बढ़ने का सबसे बड़ा कारण जजों की संख्या है

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में केवल 110 जज हैं. इन जजों के भरोसे ये 12 लाख पेंडिंग केस हैं. केस निपटाने को लेकर जजों पर प्रेशर भी है. सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के तहत केसों की पेंडिंसि खत्म करनी है. इन्हीं दबावों के बीच इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस सुभाष विद्यार्थी का बयान भी चर्चा में है. हाल ही में जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने एक सुनवाई के दौरान कहा था-मुझे भूख लग रही है, थकान महसूस हो रही है और मैं शारीरिक रूप से निर्णय देने में असमर्थ हूं. इसलिए फैसले की सुरक्षित रखा जाता है. ऐसी बात कहने के पीछ जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की मजबूरी यह थी कि 24 फरवरी को ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डीआरटी) के एक आदेश के खिलाफ सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने तत्काल आदेश पारित करने के बजाय, टिप्पणी के साथ फैसला सुरक्षित रख लिया. 24 फरवरी का दिन जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की अदालत के लिए बेहद व्यस्त रहा. उनकी लिस्ट में कुल 235 मामले लगे थे. इनमें 92 नए केस, 101 नियमित मामले, 39 विविध आवेदन और 3 एडिशनल लिस्ट के मामले शामिल थे. दोपहर 4:15 बजे तक जस्टिस विद्यार्थी केवल 29 नए मामलों की ही सुनवाई कर पाए थे. इसी बीच उन्हें सूचित किया गया कि अगला मामला सुप्रीम कोर्ट द्वारा रिमांड (वापस भेजा गया) किया गया है और इसकी समय सीमा 24 फरवरी को ही समाप्त हो रही है. इसके बाद जस्टिस विद्यार्थी ने इस विशेष मामले की सुनवाई शुरू की, जो लगातार शाम 7 बजे तक चली. जज की इस टिप्पणी ने एक नई बहस छेड़ दी है. यह वाकया दर्शाता है कि भारतीय अदालतों में जजों पर काम का कितना दबाव है. एक ही दिन में 200 से अधिक केस लिस्ट होना और फिर देर शाम तक सुनवाई करना किसी भी व्यक्ति के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण होता है. दरअसल सुप्रीम कोर्ट से लेकर हाईकोर्ट तक केस की बड़ी पेंडेंसी है. वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट में लगभग 92800 मामले पेंडिंग हैं. जिनमें से 72000 मामले सिविल के हैं और 20800 मामले अपराधिक (फौजदारी) के हैं. पिछले एक साल में सुप्रीम कोर्ट में 10000 से अधिक पेंडेंसी बढ़ी है. पूरे देश में सबसे ज्यादा पेंडेंसी इलाहाबाद हाईकोर्ट में है. इलाहाबाद हाईकोर्ट में लगभग 12 लाख केस पेंडिंग हैं. बड़ी बात यह है कि पूरे देश में हाईकोर्ट में जितने केस पेंडिंग हैं उसका 20% यानी की पांचवां हिस्सा अकेले इलाहाबाद हाईकोर्ट में है. इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में 22265 मामले पेंडिंग हैं. सुप्रीम कोर्ट में जजों के 34 पद हैं, जिनमें से 33 पदों पर वर्तमान में नियुक्तियां हैं, एक पद खाली है. निर्धारित पदों के सापेक्ष जजों की नियुक्ति होने के बावजूद भी पेंडेंसी 92828 है, जो यह दर्शाती है कि कोर्ट में आने वाले केसों की रफ्तार काफी तेज है. इलाहाबाद हाईकोर्ट की बात करें तो कुल 160 जजों के पद हैं, जिनमें से 110 पदों पर नियुक्ति है. 50 पद खाली हैं. यानि इलाहाबाद हाईकोर्ट में 31% जजों के पद खाली हैं. अगर पूरे देश के हाईकोर्ट की बात करें तो सभी 25 हाईकोर्ट में कुल 1114 पद सृजित हैं, जिनमें से 804 पदों पर जज नियुक्त हैं. पूरे देश में हाईकोर्ट के 310 पदों पर जजों की नियुक्ति नहीं है. इसका मतलब पूरे देश में हाईकोर्ट के 27.8 प्रतिशत जजों के पद खाली हैं. सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट ही नहीं जिला कोर्ट में भी केस की संख्या अधिक होने के चलते जज पर काम का प्रेशर होता है. वहीं पक्षकारों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. कोर्ट पर अधिक दबाव होने के चलते मुकदमे की सुनवाई समय से नहीं हो पाती है. एक दिन में अधिक मामले सुनाने पड़ते हैं जिसके चलते केस पर जज अधिक समय नहीं दे पाते और तारीख पर तारीख का खेल चलता रहता है. आपराधिक मामलों में कोर्ट पर ओवर बर्डन होने के चलते बेल मिलने में समस्या होती है. एक हियरिंग के लिए लिस्टिंग करने के बाद दूसरी हियरिंग की लिस्टिंग होने में महीनों का समय लग जाता है. ऐसे में अगर एक हियरिंग पर किन्ही कारणों से बेल रिजेक्ट होती है, तो दूसरी बेल का मौका मिलने में कई बार महीनों का समय लगता है.

हाईकोर्ट जज के साथ हुई ऑनलाइन क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी, ठग ने लूट लिए 6 लाख रुपये

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। बॉम्बे हाईकोर्ट की मौजूदा जज ने पिछले हफ़्ते मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उनके साथ ऑनलाइन क्रेडिट कार्ड फ्रॉड में 6 लाख रुपये की ठगी हुई। महिला जज ने एक अनजान व्यक्ति के खिलाफ स्न्ढ्ढक्र दर्ज कराई, जिसने ॥ष्ठस्नष्ट बैंक के क्रेडिट कार्ड डिपार्टमेंट का रिप्रेजेंटेटिव होने का दावा किया और उनसे 6 लाख रुपये की ठगी की।

28 फरवरी को कफ परेड पुलिस स्टेशन में दर्ज अपनी स्न्ढ्ढक्र के अनुसार, जज ने कहा कि वह अपने क्रेडिट कार्ड पर मिले रिवॉर्ड पॉइंट्स को रिडीम करने की कोशिश कर रही थीं। इसके लिए, उन्होंने बैंक के क्रेडिट कार्ड कस्टमर केयर का कॉन्टैक्ट नंबर खोजा, लेकिन टोल फ्री नंबर पर बात नहीं हो पाई। फिर उन्हें गूगल पर एक और कॉन्टैक्ट नंबर मिला, जिस पर उन्होंने कॉल किया और ॥ष्ठस्नष्ट बैंक के क्रेडिट कार्ड डिपार्टमेंट का रिप्रेजेंटेटिव होने का दावा करने वाले एक आदमी ने जवाब दिया। उस आदमी ने जज से शुरू में बात करने के बाद उन्हें credit card.apk नाम की एक 18 MB की apk फ़ाइल भेजी। जज ने अपनी स्न्ढ्ढक्र में कहा, 'लेकिन, वह फ़ाइल मेरे iPhone पर नहीं खुली। मुझे एक Android फ़ोन पर वह फ़ाइल डाउनलोड करने का सुझाव दिया गया और मैंने अपने घरेलू नौकर के फ़ोन में अपना सिम डालकर वह apk फ़ाइल डाउनलोड की। उसके बाद मुझे रिवॉर्ड पॉइंट्स रिडीम करने के लिए क्रेडिट कार्ड की डिटेल्स डालने के लिए कहा गया।'

इसके तुरंत बाद जज को मेल मिलने लगे कि अलग-अलग ट्रांज़ैक्शन के ज़रिए कुल 6.02 लाख रुपये डेबिट किए गए। जज ने कहा, 'फिर मुझे एहसास हुआ कि मेरे साथ धोखा हो रहा है। मैंने तुरंत ॥ष्ठस्नष्ट बैंक के क्रेडिट कार्ड कस्टमर केयर को कॉल किया और उस क्रेडिट कार्ड को ब्लॉक किया और तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करके शिकायत दर्ज कराई।

उस अनजान व्यक्ति ने ॥ष्ठस्नष्ट बैंक के क्रेडिट कार्ड डिपार्टमेंट से होने का झूठा दावा करके मेरी इजाज़त के बिना मेरे मोबाइल फ़ोन का अनऑथराइज़्ड एक्सेस हासिल किया, क्रेडिट कार्ड की सेंसिटिव जानकारी का गैर-कानूनी तरीके से गलत इस्तेमाल किया और मेरे क्रेडिट कार्ड अकाउंट से कुल 6,02,566/- रुपये अलग-अलग जगहों पर ट्रांसफर करके मुझे धोखा दिया।

उसकी शिकायत पर कफ परेड पुलिस ने इन्फॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी एक्ट की धारा 66 (कंप्यूटर सिस्टम का अनऑथराइज़्ड एक्सेस, बिना इजाज़त के डेटा डाउनलोड करना, या गलत इरादे से वायरस डालना), 66C (किसी दूसरे व्यक्ति के इलेक्ट्रॉनिक सिग्नेचर, पासवर्ड, या यूनिक आइडेंटिफिकेशन फीचर का गलत इस्तेमाल करना) और 66D (किसी दूसरे (असली या नकली) व्यक्ति की नकल करके पैसे/जानकारी निकालना या धोखा देना) के तहत FIR दर्ज की।

3000 रुपये पेंशन, 50 लाख का हेल्थ इंश्योरेंस... केरल में चुनाव से पहले राहुल गांधी ने किया 5 गारंटी का ऐलान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। केरल में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कमर कस ली है. राहुल ने चुनाव से पहले तिरुवनंतपुरम में पांच बड़ी गारंटियों की घोषणा की है. कांग्रेस की ओर से जारी इन ऐलानों में महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष योजनाओं पर जोर दिया गया है. राहुल गांधी का कहना है कि इन गारंटियों का उद्देश्य सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करना, परिवारों को आर्थिक राहत देना और राज्य में रोजगार के अवसर बढ़ाना है।

घोषणाओं के तहत महिलाओं को केरल स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन की बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जाएगी. इसके अलावा कॉलेज में पढ़ने वाली छात्राओं को उच्च शिक्षा में सहयोग देने और परिवारों पर आर्थिक बोझ कम करने के लिए हर महीने एक हजार रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। कमजोर और वंचित वर्गों के लिए दी जाने वाली सामाजिक कल्याण पेंशन को बढ़ाकर 3,000 प्रति माह करने का प्रस्ताव रखा गया है, ताकि उन्हें बेहतर आर्थिक सुरक्षा मिल सके।

स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रस्तावित ओमन चांडी हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम के तहत प्रत्येक परिवार को 25 लाख रुपए तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कवर देने की योजना बनाई गई है. यह योजना दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री ओमेन चांडी के नाम पर प्रस्तावित है। रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने हेतु 5 लाख रुपए तक का ब्याज मुक्त लोन देने का वादा किया गया है. कांग्रेस का मानना है कि इससे नए स्टार्टअप और रोजगार के अवसर पैदा होंगे। घोषणाओं में बुजुर्गों के कल्याण, सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए एक समर्पित विभाग बनाने का भी प्रस्ताव शामिल है. राहुल गांधी के मुताबिक ये गारंटियां केरल के सामाजिक ढांचे को मजबूत करने और आम नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगी।

भारत की टी-20 वर्ल्ड कप जीत पर नैनी में जश्न

-- सब्जी मंडी में आतिशबाजी और ढोल-नगाड़ों के साथ मनाया गया उत्सव।

स्वतंत्र प्रभात

नैनी, प्रयागराज। भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे शहर में जश्न का माहौल देखने को मिला। टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। भारत की इस शानदार जीत के बाद प्रयागराज के विभिन्न इलाकों में लोगों ने आतिशबाजी कर और सड़कों पर नाच-गाकर अपनी खुशी का इजहार किया। नैनी सब्जी मंडी में मैच शुरू होने से पहले ही एक बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई गई थी, जिस पर बड़ी संख्या में लोग मैच देखने के लिए जुटे। जैसे ही भारत की जीत पक्की हुई, पूरे इलाके में पटाखों की आवाज गूंजने लगी। लोग ढोल-नगाड़ों के साथ सड़कों पर निकल पड़े और जमकर नाचते-गाते हुए जीत का जश्न मनाया। लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और बधाई देकर अपनी खुशी साझा की। इस मौके पर जश्न मनाने वालों में व्यापार मंडल नैनी के उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश जायसवाल (बबलू), मनीष जायसवाल, शुभाष गुप्ता, टीकू चौरसिया सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रयागराज में अगवा एलकेजी छात्र 28 घंटे बाद बरामद मां के मायके का युवक निकला अपहरणकर्ता

स्वतंत्र प्रभात।

ब्यूरो प्रयागराज। प्रयागराज जिले में अगवा एलकेजी छात्र को पुलिस ने 28 घंटे में बरामद कर लिया है. उसकी खोजबीन में पुलिस की दो टीमें लगी थीं. टीम ने अपहरणकर्ता का मोबाइल नंबर ट्रेस कर उस तक पहुंचने में सफलता हासिल की. हालांकि जैसे ही पुलिस पहुंची तो अपहरणकर्ता चकमा देकर भागने में सफल हो गया. पुलिस ने बच्चा बरामद कर लिया है. आरोपी की तलाश की जा रही है. जानकारी के मुताबिक प्रतीक के पिता ओम प्रकाश शर्मा मुंबई के एक अपार्टमेंट में सिक्योरिटी गार्ड हैं. उनके गांव में उनकी पत्नी, दो बच्चों के अलावा उनके पिता नागेश्वर रहते हैं. ओम प्रकाश के दो बच्चों में 6 साल का प्रतीक बड़ा है. उससे छोटी एक बेटी है, जो तीन साल की है. प्रतीक एलकेजी में पढ़ता है. 28 घंटे पहले उसका किसी ने अपहरण कर लिया था. प्रतीक की मां और परिजनों ने पुलिस से इसकी शिकायत की थी. मां ने अपने मायके के एक युवक पर शक जताया था. पुलिस ने मोबाइल नंबर के आधार पर युवक को ट्रेस कर लिया. उसकी लोकेशन वाराणसी में मिली थी. पुलिस की दो टीमों ने जैसे ही आरोपी की घेराबंदी की तो वह बच्चा छोड़कर भाग निकला. मौके कुछ संदिग्ध युवक पुलिस ने पकड़े हैं, उनसे पूछताछ की जा रही है. प्रतीक का ननिहाल करछना थाना क्षेत्र के बबुरा गांव में है. फरार आरोपी भी उसी गांव का बताया जा रहा है. । बरामदी के बाद बच्चे ने पुलिस को कई अहम जानकारी दी. उसने बताया कि उसे रिश्ते के मामा और उनके दोस्त ले गए थे. बदमाशों ने कोई फिरौती नहीं मांगी थी. इससे साफ है कि यह वारदात खुन्नस में अंजाम दी गई. इस बारे प्रयागराज के डीसीपी विवेक यादव का कहना है कि पुलिस टीमें मामले की जांच में लगी हुई हैं. जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर पूरे मामला का खुलासा किया जाएगा. ।

यूपीएससी टॉपर्स- व्यक्तिगत सफलता नहीं, राष्ट्र की विरासत रच रहे हैं

दूरदर्शिता की जीत: टॉपर्स कैसे रचते हैं राष्ट्र का भविष्य?

आज का अध्ययन, कल का मजबूत प्रशासन: राष्ट्र सेवा का उत्कट जुनून

आज का प्रत्येक प्रयास राष्ट्र के भविष्य की रूपरेखा रचता है। यूपीएससी में सफलता अब केवल व्यक्तिगत गौरव या अंकों का प्रतीक नहीं रही; यह देशभक्ति और दूरदर्शी दृष्टि का अटूट प्रतीक बन गई है। टॉपर्स अपने अध्ययन के हर क्षण, प्रत्येक विश्लेषण और हर उत्तर में कल की नीतियों, सतत विकास और समावेशी समाज के बीज अंकुरित करते हैं। उनके लिए सिविल सेवा सिर्फ़ एक करियर नहीं, बल्कि राष्ट्र के सपनों को वास्तविकता में ढालने की तीव्र और गहन यात्रा है। वर्तमान के जटिल संकट–समानता की चुनौतियाँ, पर्यावरणीय आपात स्थिति, डिजिटल विभाजन–उनकी दृष्टि में कल के अवसरों में परिवर्तित हो जाते हैं। यही दूरदर्शिता उन्हें विशिष्ट बनाती है; उनके अध्ययन का हर क्षण राष्ट्र के उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य की स्पष्ट झलक प्रस्तुत करता है। राष्ट्र के भविष्य को आकार देने वाले टॉपर्स यह मानते हैं कि सिविल सेवा केवल प्रशासन का यंत्र नहीं, बल्कि न्याय, स्वतंत्रता और समानता जैसे संवैधानिक मूल्यों को साकार करने का सबसे शक्तिशाली माध्यम है। उनके दृष्टिकोण में आज का समर्पित अध्ययन कल के प्रशासन के मजबूत और अडिग स्तंभों का निर्माण करता है। उनके उत्तर केवल तथ्यों का संग्रह नहीं; उनमें सामाजिक संवेदनशीलता, जन-कल्याण की गहराई और पर्यावरण संरक्षण की स्पष्ट झलक प्रकट होती है। वे जानते हैं कि वास्तविक सफलता वही है जो समाज के सबसे कमजोर और हाशिए पर रहने वाले वर्ग तक पहुँचे। यही सेवा का उत्कट जुनून उनकी रणनीति, तैयारी और उत्तर लेखन में निरंतर चमकता है।

टॉपर्स पुराने अध्ययन को केवल याद करने का औजार नहीं मानते; वे इसे वैश्विक संदर्भ और भविष्य की जटिल चुनौतियों–एआई के नैतिक प्रयोग, जलवायु परिवर्तन, आर्थिक असमानता–से जोड़ते हैं। उनके लिए इंटरव्यू और उत्तर मंच सिर्फ परीक्षा का हिस्सा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की दूरदर्शी सोच प्रदर्शित करने का अवसर हैं। 'विकसित भारतञ्च2047' जैसे विज़न उनके अध्ययन और चिंतन में समाहित हैं–एक ऐसा भारत जहाँ नवाचार, समावेशिता और सतत विकास सामंजस्यपूर्ण रूप से फलते-फूलते हैं। यही दूरदर्शिता उन्हें प्रेरित करती है कि आज का प्रत्येक उत्तर कल की नीति और राष्ट्र निर्माण का अडिग आधार बने। सफलताओं और असफलताओं के बीच टॉपर्स हर अनुभव को अवसर की दृष्टि से देखते हैं। वे जानते हैं कि राष्ट्र सेवा में धैर्य, करुणा और लचीलापन अनिवार्य गुण हैं। उनके दृष्टिकोण में यूपीएससी केवल परीक्षा नहीं, बल्कि समाज से गहन जुड़ाव और संवाद की प्रक्रिया है। महिला सशक्तिकरण, युवा बेरोजगारी और ग्रामीण-शहरी असमानता जैसे जटिल सामाजिक मुद्दों को वे सूक्ष्मता से समझते हैं। यही गहरा जुड़ाव उन्हें नई सोच और संवेदनशील दृष्टि प्रदान करता है, जहाँ सेवा केवल ड्यूटी नहीं, बल्कि जीवन का सर्वोच्च आदर्श बन जाती है। उनकी सफलता इसी मानवीय समझ और भावनात्मक गहराई की झलक से दमकती है। टॉपर्स मानक तरीकों में फँसकर नहीं रहते; वे माइंड मैप्स, केस स्टडीज और विचार-विमर्श के माध्यम से ज्ञान को जीवंत बनाते हैं। जीएस-4 (एथिक्स) उनके लिए केवल एक पेपर नहीं, बल्कि ईमानदारी, जवाबदेही और नैतिक निर्णयों का दैनिक अभ्यास है। उनके दृष्टिकोण में कल का भारत ऐसा देश होगा जहाँ प्रशासन नवाचार से सुसज्जित हो और भ्रष्टाचार का कोई स्थान न हो। रचनात्मक सोच उन्हें यह समझाती है कि आज की मेहनत, रणनीति और समर्पण ही कल की मजबूत, न्यायपूर्ण और प्रगतिशील दुनिया की नींव रखेगी। सेवा की यह गहन भावना उनके रचनात्मक प्रयासों को निरंतर ऊर्जा और दिशा प्रदान करती है।

राष्ट्र के निर्माण की गहन भावना में टॉपर्स लगातार स्वयं से पूछते हैं– 'मैं अपने देश के लिए क्या योगदान दे सकता हूँ?' यह आत्म-चिंतन उन्हें नई सोच, दूरदर्शिता और स्थायी दृष्टिकोण प्रदान करता है, जहाँ व्यक्तिगत विकास और राष्ट्र का विकास अविभाज्य रूप से जुड़ जाते हैं। वे समझते हैं कि सिविल सेवा में पद की शक्ति नहीं, बल्कि सेवा की शक्ति ही वास्तविक मूल्य है। उनके दृष्टिकोण में भविष्य का भारत संवेदनशील, निष्पक्ष और दूरदर्शी अधिकारियों के प्रेरक नेतृत्व में आकार लेगा। यही गहन आत्म-विश्लेषण उन्हें प्रेरित करता है कि आज का हर प्रयास कल के उज्ज्वल, सशक्त और न्यायपूर्ण राष्ट्र की नींव बने। टॉपर्स आधुनिक तकनीक और ज्ञान के हर साधन का लाभ उठाते हैं–ऑनलाइन संसाधन, एआई टूल्स और अंतरराष्ट्रीय केस स्टडीज–ताकि भविष्य की जटिल चुनौतियों को आज ही समझा और हल किया जा सके। उनके लिए यूपीएससी केवल परीक्षा नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के बीच एक सशक्त सेतु है। वे सेवा को वैश्विक संदर्भ में देखते हैं–डिजिटल समावेश, जलवायु न्याय और सतत विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। यही दूरदर्शी और आधुनिक दृष्टि उन्हें विशिष्ट बनाती है, जहाँ उनकी तैयारी केवल ज्ञान अर्जन नहीं, बल्कि राष्ट्र के उज्ज्वल और समृद्ध कल की अडिग नींव बन जाती है। राष्ट्र निर्माण की दिशा में टॉपर्स की सफलता उनकी दूरदर्शिता का स्पष्ट साक्ष्य है–वे परीक्षा को केवल लक्ष्य नहीं, बल्कि मिशन मानते हैं और सेवा की गहन भावना से प्रेरित होकर नयी सोच और रणनीतियाँ अपनाते हैं। उनकी यह यात्रा स्पष्ट संदेश देती है कि सच्ची सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित नहीं, बल्कि राष्ट्र की प्रगति और समाज के समग्र उत्थान से अभिन्न रूप से जुड़ी होती है। यूपीएससी की प्रक्रिया उनके लिए केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि सामूहिक सपनों और दूरदर्शी विचारों का प्रारंभिक मंच है। हमें भी इस दृष्टि को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए–जहाँ हर प्रयास भारत के उज्ज्वल, सशक्त और समृद्ध भविष्य के लिए समर्पित हो। सेवा की यह लौ अनंत और अटूट है, क्योंकि यह राष्ट्र के सपनों की वास्तविक और अमिट अग्नि है।

कृति आरके जैन

सफलता-असफलता जीवन के दो अनिवार्य पहलू

धर्म के साथ कर्म से सफलता।

मनुष्य को धर्म के साथ ही कर्म की वेदी पर अपने श्रम की की आहुति देनी चाहिए, जिससे मानवीय जीवन अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति और सफलता के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म,धर्म की प्रधानता रखकर संयम तथा मनोबल भी रखना होगा द्यइसके अलावा मनुष्य अपनी इच्छाओं का दास ना होकर उस पर नियंत्रण रख स्वामी बनने का प्रयास करना होगा तब सोची गई सफलता आपके सामने होगीद्य

कठिन तथा विषम परिस्थितियों में मनुष्य को अपने मनोबल को सदैव विनम्रता,संयम और साहस के साथ ऊंचा रखना चाहिए।अपने द्वारा की गई मेहनत पर विश्वास एवं निरंतरता रखनी होगी। तब जाकर ही जीवन में सफलता के पल आपके सामने आएंगे द्य निराशा, हताशा और हीन भावना को कठोर श्रम के बलबूते पर ही विजय प्राप्त की जा सकती है जीवन में उतार-चढ़ाव, कठिन समय और विषम परिस्थितियां आती ही रहती हैंद्य संकट का समय विषम परिस्थितियां जीवन के अलग-अलग पहलू हैं ।इनसे जूझ कर जो मानव आगे बढ़ता है, वह उच्च मनोबल वाला साहसी व्यक्ति होता है। व्यक्ति के जीवन में साहस, उच्च मनोबल ही सफलता की कुंजी है। जिस भी व्यक्ति ने विषमताओं में रास्ता निकलने का साहस करके आगे बढ़ने का प्रयास किया है वही सफल हुआ है। हमेशा सफलता का मूल आत्मविश्वास, कठिन श्रम और उच्च आदर्श वाले व्यक्ति की प्रेरणा ही सफलता दिलाने वाली होती है।

मनुष्य को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए। उसे सदैव प्रयासरत रहकर परिश्रम तथा जुझारू पन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहना चाहिए। मनुष्य को अपनी हर हार, हर पराजय से कुछ ना कुछ सीख लेनी चाहिए एवं इससे अनुभव प्राप्त कर फिर से खड़ा होने एवं उस पराजित मनोदशा से छुटकारा पाकर फिर से लड़ने की ऊर्जा एवं शक्ति प्राप्त करनी चाहिए, यह सफलता का बड़ा मंत्र है। सर्वप्रथम मनुष्य अपने मनोबल से किन्हीं भी परिस्थितियों को जीतने का साहस रखता है, इसीलिए मनोबल मनुष्य की पहली आवश्यकता है। मनोबल ही साहस को जन्म देता है और साहस, आत्मबल को और आत्मबल से ही मनुष्य किन्हीं भी परिस्थितियों से जूझना एवं टकराने की क्षमता पैदा करता है। जब मनुष्य के पास खोने के लिए कुछ ना हो तो वह निश्चिंत होकर साहस, क्षमता एवं संयम से आगे बढ़ने का प्रयास करता है, क्योंकि वह जानता है की पीछे पलट कर उसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है, शिवाय आगे बढ़ने एवं सफलता के लिए अग्रसर होने के। मनुष्य का मनोबल एवं दृढ़ प्रतिज्ञा ही मनुष्य को सदैव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देते रहते हैं। मनुष्य के जीवन का एक तथ्य और भी अत्यंत महत्वपूर्ण है वह है सकारात्मक सोच, जो उसे हमेशा आगे बढ़ने की ओर उत्साहित करती रहती है। सकारात्मक सोच एवं किसी भी परिस्थिति को अपने नियंत्रण में लाने की सुनियोजित योजना मनुष्य में आशाओं को भर देती है एवं परिस्थितियों को चुनौती देने की क्षमता का विकास करती है। यह मनुष्य ही है जो हर परिस्थिति में साहस और मनोबल के दम पर उससे विजय प्राप्त करता है। मनुष्य के जीवन और पशु के जीवन में यही फर्क है कि मनुष्य के पास सोचने के लिए मस्तिष्क होता है और वह उसके सकारात्मक उपयोग के साथ आगे बढ़ने की क्षमता रखता है। मनुष्य मुस्कुराता, हंसता और खिलखिलाता है। जबकि पशु में मुस्कुराने हंसने की क्षमता नहीं होती, और यही कारण है कि मनुष्य ने विषम परिस्थितियों पर सदैव विजय प्राप्त करने का प्रयास किया है, वह काफी हद तक सफलता पाने में सफल भी हुआ है। मनुष्य यदि परिस्थितियों में अन्य प्रतियोगिताओं में, खेल में, या युद्ध में पराजित होकर भी प्रेरणा लेकर पुनः साहस के साथ पुनः तैयार होता है तो वह आने वाले समय में सफलता का सही हकदार भी होता है, क्योंकि उसने पूरी क्षमता, साहस ,मनोबल के साथ पराजय को स्वीकार कर के उससे कुछ सीखने का प्रयास किया है। अपनी कमियों को दूर करने की हर संभव कोशिश भी की है ।इस तरह वह अगली परीक्षा में जरूर सफल होता है और यही मानव जीवन का सफल अध्याय भी होता है। कुल मिलाकर परिस्थितियां तथा घटनाएं ,दुर्घटनाएं मनुष्य को परिस्थितियों के सामने पराजित करने, झुकाने की कोशिश करती हैं किंतु मानव अपने शारीरिक, मानसिक, नैतिक, चारित्रिक एवं मानसिक आत्मबल से उसे सफलता में बदल देता है। अनवरत प्रयासरत व्यक्ति अपने साहस परिश्रम से हर चुनौतियों का सामना कर परिस्थितियों में विजय प्राप्त कर अपने जीवन को सफलता के शिखर पर पहुंचाता है। जीवन में कठिन परिस्थितियों से जूझ कर जो मानव सदैव सफल होता है वह पूरे समुदाय और समाज के लिए एक प्रेरणादाई व्यक्तित्व बन कर पूरे समाज एवं देश को मार्गदर्शन भी प्रदान करता है। इसीलिए मनुष्य को किन्हीं भी परिस्थितियों में, खासकर विषम परिस्थितियों में अपने मनोबल और साहस को त्यागना नहीं चाहिए। उच्च मनोबल और साहस की ऊर्जा ही मनुष्य को नई दिशा, नए प्रकाश पुंज की ओर अग्रसर करती है।

संजीव ठाकुर

कर्नाटक में 16 साल के छोटे बच्चों का मीडिया बैन, सोशल मीडिया से दूर रखना समय की आवश्यकता

आज का युग डिजिटल तकनीक का युग है। मोबाइल इंटरनेट और सोशल मीडिया ने जीवन को बहुत तेज और आसान बना दिया है। बच्चे भी इस दुनिया से अछूते नहीं रहे। कम उम्र में ही वे मोबाइल और सोशल मीडिया से जुड़ जाते हैं। लेकिन इसके साथ कई गंभीर समस्याएं भी सामने आ रही हैं। इसी कारण कुछ राज्यों ने बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर रोक लगाने का निर्णय लिया है। हाल ही में कर्नाटक और आंध्र प्रदेश सरकारों ने 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। यह निर्णय बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बजट भाषण में कहा कि 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चे मोबाइल फोन तो रख सकते हैं लेकिन सोशल मीडिया का उपयोग नहीं कर सकेंगे। वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध 90 दिनों के भीतर लागू किया जाएगा। यह निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि आज बच्चों में सोशल मीडिया का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। कई सर्वे बताते हैं कि 10 से 15 वर्ष के अधिकांश बच्चे किसी न किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। यह स्थिति चिंता का विषय बन गई है क्योंकि इस उम्र में बच्चों का मानसिक विकास हो रहा होता है और वे आसानी से किसी भी चीज से प्रभावित हो सकते हैं।

सोशल मीडिया की दुनिया में बहुत प्रकार की सामग्री उपलब्ध होती है। इनमें अच्छी और उपयोगी जानकारी भी होती है लेकिन इसके साथ अश्लील हिंसक और भ्रामक सामग्री भी बड़ी मात्रा में मौजूद रहती है। बच्चे कई बार अनजाने में ऐसी सामग्री देख लेते हैं जो उनके मन पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। इंटरनेट के एल्गोरिदम भी कई बार एक ही प्रकार की सामग्री बार बार दिखाते हैं जिससे बच्चे उसी प्रभाव में रहते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बच्चे प्रतिदिन कई घंटे सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं तो उनके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। कई शोधों में यह पाया गया है कि जो बच्चे दिन में तीन घंटे या उससे अधिक समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं उनमें अवसाद और तनाव की समस्या अधिक पाई जाती है। देर रात तक मोबाइल चलाने की आदत से नींद पूरी नहीं हो पाती और इसका असर पढ़ाई पर भी पड़ता है। नींद की कमी बच्चों के मस्तिष्क पर भी असर डालती है। इससे उनकी एकाग्रता कमजोर हो जाती है और पढ़ाई में रुचि कम हो जाती है। कई बच्चे देर रात तक मोबाइल चलाने के कारण सुबह थकान महसूस करते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि वे विद्यालय में ठीक से ध्यान नहीं दे पाते। धीरे धीरे यह आदत उनके व्यक्तित्व और भविष्य दोनों को प्रभावित कर सकती है। सोशल मीडिया का एक और खतरा साइबर बुलिंग है। कई बार बच्चे ऑनलाइन मजाक या अपमान का शिकार हो जाते हैं। कुछ बच्चे इस दबाव को सहन नहीं कर पाते और मानसिक तनाव में आ जाते हैं। इसके अलावा निजी जानकारी के दुरुपयोग का खतरा भी बना रहता है। कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बच्चों की जानकारी एकत्र करते हैं जो भविष्य में समस्या का कारण बन सकती है। आज के समय में सोशल मीडिया पर लाइक कमेंट और व्यूज को बहुत महत्व दिया जाता है। बच्चे भी इन चीजों से प्रभावित होते हैं।

यदि उनकी पोस्ट पर अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिलती तो वे निराश हो जाते हैं। कई बार वे दूसरों से तुलना करने लगते हैं जिससे आत्मविश्वास में कमी आ सकती है। इस प्रकार सोशल मीडिया बच्चों के मन में अनावश्यक प्रतिस्पर्धा और दबाव पैदा कर देता है। कम उम्र में सोशल मीडिया का अधिक उपयोग बच्चों को वास्तविक जीवन से भी दूर कर सकता है। पहले बच्चे खेलकूद पढ़ाई और रचनात्मक गतिविधियों में अधिक समय बिताते थे। लेकिन अब कई बच्चे अपना अधिकतर समय मोबाइल स्क्रीन के सामने बिताते हैं। इससे उनके शारीरिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है और वे सामाजिक संबंधों से भी दूर हो सकते हैं। यदि बच्चों को कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से दूर रखा जाए तो वे अपने जीवन की महत्वपूर्ण गतिविधियों पर अधिक ध्यान दे सकते हैं। वे खेलकूद में भाग ले सकते हैं पुस्तकें पढ़ सकते हैं और परिवार के साथ समय बिता सकते हैं। इससे उनका शारीरिक और मानसिक विकास बेहतर तरीके से हो सकता है। हालांकि यह भी सही है कि आज के युग में डिजिटल तकनीक से पूरी तरह दूर रहना संभव नहीं है। भविष्य में बच्चों को इंटरनेट और तकनीक का उपयोग करना ही होगा। इसलिए केवल प्रतिबंध लगाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि बच्चों को डिजिटल दुनिया के बारे में सही जानकारी देना भी आवश्यक है। माता पिता और शिक्षकों को चाहिए कि वे बच्चों को इंटरनेट का सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग सिखाएं। सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम तभी सफल होगा जब समाज भी इसमें सहयोग करेगा। माता पिता को बच्चों के मोबाइल उपयोग पर ध्यान देना चाहिए। उन्हें बच्चों के साथ संवाद बनाए रखना चाहिए ताकि बच्चे किसी भी समस्या को खुलकर बता सकें। विद्यालयों में भी डिजिटल जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए ताकि बच्चे इंटरनेट के लाभ और हानि दोनों को समझ सकें। कुछ अन्य राज्यों में भी इस प्रकार की नीति पर विचार किया जा रहा है। यदि यह पहल सफल होती है तो संभव है कि आने वाले समय में देश के अन्य राज्यों में भी बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग पर नियंत्रण के नियम बनाए जाएं। इसका उद्देश्य बच्चों को तकनीक से दूर करना नहीं बल्कि उन्हें सुरक्षित और संतुलित जीवन देना है। अंत में कहा जा सकता है कि कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर नियंत्रण लगाना एक सकारात्मक कदम है। यदि इसे सही तरीके से लागू किया जाए और इसके साथ जागरूकता बढ़ाई जाए तो यह बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और भविष्य की रक्षा करने में सहायक सिद्ध हो सकता है। बच्चों का बचपन सुरक्षित और स्वस्थ रहना ही समाज और देश के उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी गारंटी है।

कांतिलाल मांडोत

संपादकीय

भविष्य की युद्ध प्रणाली और भारत की रणनीति

भारत की सुरक्षा व्यवस्था आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है जहाँ केवल सैनिकों की संख्या या पारंपरिक हथियार पर्याप्त नहीं रह गए हैं। आधुनिक युद्ध अब अत्याधुनिक तकनीक, कृत्रिम बुद्धि, दूर से संचालित प्रणालियों और तेज़ निर्णय क्षमता पर आधारित हो गया है। ऐसे समय में वायु शक्ति किसी भी देश की रक्षा नीति का सबसे महत्वपूर्ण आधार बन चुकी है। इसी पृष्ठभूमि में भारत छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान के विकास की दिशा में एक बड़ी रणनीतिक योजना पर विचार कर रहा है। यह पहल न केवल भारत की वायु शक्ति को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकती है बल्कि देश को वैश्विक रक्षा प्रौद्योगिकी के अग्रिम पंक्ति में भी खड़ा कर सकती है। हाल की रिपोर्टों के अनुसार भारत यूरोप के एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम में भागीदारी पर विचार कर रहा है जिसके अंतर्गत भविष्य की युद्ध प्रणाली विकसित की जा रही है। इस कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 2017 में फ्रांस और जर्मनी ने की थी और बाद में स्पेन भी इसमें शामिल हो गया। इसका उद्देश्य आने वाले दशकों के लिए एक ऐसी युद्ध प्रणाली तैयार करना है जिसमें अत्याधुनिक लड़ाकू विमान, मानवरहित यान और आपस में जुड़े हुए युद्ध नेटवर्क शामिल हों। भारत द्वारा इस कार्यक्रम में रुचि दिखाना कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत पहले भी कई देशों के साथ मिलकर आधुनिक सैन्य तकनीक विकसित करने का प्रयास कर चुका है। रूस के साथ संयुक्त रूप से पाँचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान पर काम करने की योजना भी बनी थी, परन्तु वह योजना आगे नहीं बढ़ सकी। उसके बाद भारत ने अपनी स्वदेशी परियोजना पर अधिक ध्यान देना शुरू किया। वर्तमान में भारत स्वयं एक आधुनिक गुप्त लड़ाकू विमान विकसित कर रहा है, जिसका उद्देश्य वायु सेना को आने वाले समय के युद्ध के लिए तैयार करना है। इस परियोजना के अंतर्गत कई उन्नत तकनीकों को शामिल किया जा रहा है ताकि यह विमान भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप हो सके। विशेषज्ञों का मानना है कि इसमें कृत्रिम बुद्धि आधारित प्रणालियाँ, उन्नत सेंसर और अत्यधिक गुप्तता प्रदान करने वाली संरचना शामिल की जाएगी जिससे यह विमान दुश्मन के राडार से बच सकेगा। हालाँकि केवल पाँचवीं पीढ़ी की तकनीक भविष्य की चुनौतियों का पूरी तरह सामना करने के लिए पर्याप्त नहीं मानी जा रही है। विश्व की बड़ी शक्तियाँ पहले ही छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों पर काम शुरू कर चुकी हैं। अमेरिका, चीन और यूरोप इस दिशा में गहन अनुसंधान कर रहे हैं। इन विमानों की विशेषता यह होगी कि वे केवल एक विमान नहीं होंगे बल्कि पूरी युद्ध प्रणाली का हिस्सा होंगे। इनमें मानवरहित यानों के साथ समन्वय, अत्यधिक विकसित संचार प्रणाली, वास्तविक समय में सूचना का आदान-प्रदान और अत्यंत उन्नत हथियार प्रणाली शामिल होगी। ऐसे विमान युद्ध के मैदान में अकेले नहीं लड़ेंगे बल्कि कई स्वचालित यानों के साथ मिलकर एक संगठित शक्ति के रूप में काम करेंगे। भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह इस तकनीकी दौड़ में पीछे न रह जाए। भारतीय वायु सेना के कई पुराने विमान आने वाले वर्षों में सेवा से बाहर होने वाले हैं और नई तकनीक से लैस विमानों की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। इसी कारण सरकार ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की नीति अपनाई है। पिछले कुछ वर्षों में देश में रक्षा उत्पादन और निर्यात दोनों में वृद्धि देखी गई है। सरकार का लक्ष्य है कि भारत केवल हथियारों का खरीदार न रहे बल्कि उन्हें विकसित और निर्यात करने वाला देश बने। इसी सोच के अंतर्गत स्वदेशी लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और अन्य सैन्य प्रणालियों के निर्माण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। यूरोप के साथ संभावित सहयोग इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। यदि भारत इस कार्यक्रम में शामिल होता है तो उसे उन्नत तकनीकों तक पहुँच मिल सकती है। साथ ही भारतीय उद्योग और अनुसंधान संस्थानों को भी वैश्विक स्तर के परियोजनाओं में काम करने का अवसर मिलेगा। इससे देश के वैज्ञानिकों और अभियंताओं को अत्याधुनिक तकनीक विकसित करने का अनुभव प्राप्त होगा। यह सहयोग केवल एक विमान बनाने तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि इसके माध्यम से इंजन, सेंसर, संचार प्रणाली और युद्ध नियंत्रण जैसी कई महत्वपूर्ण तकनीकों में भी प्रगति संभव होगी। इसके अतिरिक्त यह सहयोग भारत और यूरोप के बीच सामरिक संबंधों को भी मजबूत कर सकता है। भारत और फ्रांस के बीच पहले से ही रक्षा क्षेत्र में गहरा सहयोग रहा है। दोनों देशों ने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं में साथ काम किया है और भविष्य में भी इस सहयोग को और बढ़ाने की संभावना जताई जाती रही है। यदि भारत इस नए कार्यक्रम में शामिल होता है तो यह संबंध और भी व्यापक हो सकता है। इससे भारत को रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दीर्घकालिक लाभ मिल सकता है और देश की सामरिक स्थिति भी मजबूत होगी। हालाँकि इस योजना के सामने कुछ चुनौतियाँ भी हैं। इतने बड़े कार्यक्रम में शामिल होना आर्थिक और तकनीकी दोनों दृष्टियों से कठिन कार्य होता है। छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान का विकास अत्यंत महंगा और जटिल होता है। इसके लिए वर्षों तक अनुसंधान, परीक्षण और विकास की आवश्यकता होती है। इसके अलावा विभिन्न देशों के बीच तकनीक के आदान-प्रदान, काम के बँटवारे और वित्तीय जिम्मेदारियों को लेकर भी कई बार मतभेद पैदा हो सकते हैं। यूरोप के इस कार्यक्रम में भी पहले से कुछ मतभेद सामने आ चुके हैं। इसलिए भारत को इसमें शामिल होने से पहले सभी पहलुओं का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करना होगा।

इसके बावजूद कई विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत के लिए यह अवसर महत्वपूर्ण हो सकता है। यदि भारत इस परियोजना में भागीदारी करता है तो उसे भविष्य की सैन्य तकनीकों के विकास में अग्रणी भूमिका निभाने का मौका मिल सकता है। इससे देश के वैज्ञानिक और औद्योगिक आधार को भी मजबूती मिलेगी। साथ ही भारत को अपने स्वदेशी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने में भी सहायता मिल सकती है। भारतीय रक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य अब केवल वर्तमान सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करना नहीं बल्कि भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहना है। आधुनिक युद्ध में तकनीक की भूमिका लगातार बढ़ती जा रही है। कृत्रिम बुद्धि, स्वचालित प्रणालियाँ और उन्नत संचार नेटवर्क आने वाले समय के युद्ध की दिशा तय करेंगे। इसलिए भारत का यह प्रयास केवल एक नए लड़ाकू विमान के निर्माण तक सीमित नहीं है बल्कि यह देश की दीर्घकालिक रणनीतिक सोच का हिस्सा है। यदि यह योजना सफल होती है तो आने वाले दशकों में भारतीय वायु सेना को ऐसी शक्ति मिल सकती है जो उसे विश्व की अग्रणी वायु सेनाओं की श्रेणी में और मजबूती से स्थापित करेगी। इससे भारत की सुरक्षा क्षमता बढ़ेगी और देश की तकनीकी प्रतिष्ठा भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत होगी। यह पहल भारत को आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के साथ-साथ उसे वैश्विक रक्षा प्रौद्योगिकी के केंद्र में भी ला सकती है। इस प्रकार छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान के विकास की दिशा में उठाया गया यह संभावित कदम केवल एक सैन्य परियोजना नहीं बल्कि भारत की व्यापक रणनीतिक दृष्टि का प्रतीक है। यह उस भविष्य की ओर संकेत करता है जहाँ भारत न केवल अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करेगा बल्कि नई तकनीकों के निर्माण और विकास में भी अग्रणी भूमिका निभाएगा। आने वाले वर्षों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह योजना किस रूप में आगे बढ़ती है और भारत इस वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में किस प्रकार अपनी जगह बनाता है।

महेन्द्र तिवारी

इस नफरत भरी बर्बरता का इलाज करना होगा

यह कौन सी असहिष्णुता अराजकता और वहशियत भरी सोच का नतीजा है जो रंग की दो छींट पड़ जाने पर उस होनहार दलित नवयुवक के खून से होली खेलते हैं जिसका कोई कुसूर भी नही था जिसने कोई रंग भी नही डाला था जो दिन में घटित छोटी सी नोंकझोंक से अनजान था और होली की शाम अपने घर लौट रहा था लेकिन नफरती पडोसियों ने उस का निरीह कत्ल कर दिया इल्ज़ाम यह है कि उसकी नाबालिग बहन ने पडोसी मुस्लिम महिला पर रंग भरा गुब्बारा फेंक दिया था । आपको बता दें कि जब 4 मार्च पूरा देश होली के रंगों में डूबा हुआ था, वहीं भारत की राजधानी दिल्ली खूनी होली में डूबी हुई थी। दिल्ली के उत्तम नगर इलाके में होली के मौके पर हुए एक छोटे से झगड़े ने हिंसक रूप ले लिया। जानकारी के मुताबिक, होली के दौरान 10 साल के बच्चे के गुब्बारा फेंकने को लेकर दो समुदाय में बहस हो गई। देखते ही देखते यह झगड़ा हिंसा तक पहुंच गया और मुस्लिम समुदाय के आक्रामक लोगों ने एक दलित हिंदू घर को निशाना बनाया और उनके बेटे की बेरहमी से हत्या कर दी। आपको बता दें कि उत्तम नगर में बुधवार की रात होली खेल रही 11 साल की बच्ची को नहीं मालूम था कि वह अपने परिवार के सदस्य पर जो पानी का गुब्बारा फेंक रही है, उसके छींटे किसी को इतने नागवार गुजरेंगे कि वह इलाके में सांप्रदायिक तनाव का कारण बन जाएंगे। उसे नहीं पता था कि वह गुब्बारा उसके परिवार के लिए तेजाब की तरह साबित होगा, जिसकी चपेट में उसका पूरा परिवार आ जाएगा। उसे यह भी नहीं मालूम था कि उस गुब्बारे से निकले पानी की वजह से परिवार ना केवल एक अनचाहे विवाद में पड़ जाएगा, बल्कि उसके परिवार के 26 साल के युवक तरुण की जान भी चली जाएगी। हम बात कर रहे हैं, शहर के उत्तम नगर की जेजे कॉलोनी में होली की रात हुए एक ऐसे विवाद की, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है।विवाद की शुरुआत एक महिला पर रंग वाले पानी के छींटे लगने से हुई। उस लड़की ने अपने घर के नीचे खड़े अपने रिश्तेदारों पर एक पानी का गुब्बारा फेंका था, जो सड़क पर जा गिरा और फट गया, जिसके बाद रंगीन पानी के कुछ छींटे पड़ोस में रहने वाले दूसरे समुदाय की एक महिला को जा लगे। जिसके बाद हुए विवाद में हिंदू परिवार के युवक की जान चली गई। इस मामले में पुलिस ने शुक्रवार को चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया, साथ ही एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया। जबकि घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। साथ ही व्याप्त तनाव को देखते हुए पुलिस कोई कोताही नहीं बरत रही है और अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात करते हुए इलाके में कड़ी सुरक्षा की गई है।दरअसल गुब्बारे में भरे पानी के छींटे लगने के बाद पड़ोस में रहने वाली वह महिला ना केवल भड़क गई, बल्कि उसने गंदी-गंदी गालियां देकर विवाद करना शुरू कर दिया। इसी दौरान उसने अपने परिजनों व अपने समुदाय के अन्य लोगों को बुला लिया और होली खेल रहे परिवार पर हमला किया। इस दौरान आरोपियों ने वहां मारपीट करते हुए जमकर तोड़फोड़ भी की। पीड़ित परिवार ने जैसे-तैसे अपने आप को घर के अंदर बंद करते हुए उनसे बचाया। इस झगड़े के दौरान परिवार का सदस्य तरुण अपने दोस्त के घर गया हुआ था और वो इस झगड़े से बेखबर था।

होली खेलने निकला तरुण रात करीब 10.30 बजे अपने दोस्त के घर से वापस लौट रहा था, इसी दौरान रास्ते में करीब 8 से 10 आरोपियों ने उसे घेर लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान आरोपियों ने लाठी, पत्थर और लोहे की रॉड से तरुण को बेरहमी से पीटा। जब वह बेसुध हो गया तो आरोपी मौके से फरार हो गए। परिजनों को झगड़े का पता चला तो वह मौके पर पहुंचे और उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती किया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वारदात की सूचना मिलते ही उत्तम नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

तरुण की मौत की खबर आते ही फैल गया इलाके में तनाव

तरुण की मौत की खबर जैसे ही पता चली तो उसके दोस्त, परिचित और इलाके में रहने वाले अन्य लोग बुरी तरह भड़क गए और उन्होंने आरोपियों के घर के बाहर तोड़फोड़ शुरू कर दी। इसी दौरान शुक्रवार को भारी पुलिस बल की तैनाती के बीच कुछ लोगों ने एक कार और एक मोटरसाइकिल को आग लगा दी। जिसके बाद दमकल की गाड़ियों को तुरंत मौके पर भेजा गया, जिन्होंने आग पर तुरंत काबू पा लिया। इसी बीच कुछ प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर आरोपी परिवार के घर पर हमला करने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस कर्मियों ने हस्तक्षेप करते हुए स्थिति और बिगड़ने से पहले भीड़ को तितर-बितर कर दिया। उधर बेटे तरुण की मौत के बाद पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल था। परिवार की एक महिला ने न्याय की मांग करते हुए कहा कि घटना के सभी आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। वहीं परिवार के कुछ सदस्यों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी नहीं होने पर सड़कों को जाम करने की चेतावनी भी दे दी। मामला तब और गंभीर होने लगा जब मामले में हिंदूवादी संगठन के सदस्यों की भी एंट्री हो गई। एक हिंदू राजनीतिक संगठन के सदस्य भी थाने पहुंचे और विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए, नारे लगाए और घटना में शामिल सभी लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।हालांकि शुक्रवार को पुलिस ने बताया कि इस वारदात के संबंध में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है और एक नाबालिग को हिरासत में लिया गया है, जबकि घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। अधिकारी ने कहा कि इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियात के तौर पर अतिरिक्त बल तैनात किए गए।

हाल ही में ऐसे कई वारदातों की झड़ी लगी है जिसमें हिन्दू युवकों किशोरों व्यापारियों को मजहबी नफरती हत्यारों ने कत्ल कर अपनी बर्बरता का हवाला दिया है। अभी बीस दिन पहले ईस्ट दिल्ली के मयूर विहार के आगे त्रिलोकपुरी में 42 साल के वीर सिंह की बेरहमी से हत्या कर दी गई जानकारी के मुताबिक, यासीन और यामीन नाम के शख्स ने वीर सिंह की ही दुकान में चाकू मारकर उनकी हत्या कर दी गई थी। गोकुलपुरी में हिमांशु सीलमपुर में नाबालिग कुणाल हरिनगर में हरीश का भी इसी तरह मुसलिम हत्यारों ने कत्ल किया है। एक के बाद एक दिल्ली में घटित हो रही ये वारदात सामान्य अपराध नहीं है इन सब के पीछे कुछ नफरती लोगों द्वारा मजहब के नाम पर वहाटसएप और मजहबी तकरीरों के जरिए पैदा किया जा रहा नफरती जहर काम कर रहा है। हाल की वारदात का दक्षिणी दिल्ली का यह इलाका पाकिस्तान या बांग्लादेश का नही है लेकिन दो अलग अलग धर्म मजहब के परिवार के बीच इस तरह का खूनी संघर्ष समाज में बढ़ती असहिष्णुता और वहशियत भरी बर्बरता को उजागर करता है आखिर ये कौन सी मानसिकता है जो लोगों के बीच नफरत बो रही है? क्या पानी या रंग की दो बूंद पड़ जाने से किसी का मजहब अपमानित हो सकता है? क्या ऐसे किसी मामले में पुलिस से शिकायत नही की जा सकती थी? क्या जाने अनजाने में ऐसा कोई बर्ताव किसी का कत्ल करने की सोच पैदा कर सकता है? क्या यह एक दर गुजर करने लायक बात नही थी? क्या ऐसे खून खराबा करने वाले लोगों में कानून का तनिक भी खौफ है?नयी दिल्ली की कानून व्यवस्था केंद्र सरकार के नियंत्रण में है सरकार गृहमंत्रालय को इन तमाम वारदातों का उच्च स्तरीय न्यायिक जांच समिति से विश्लेषण समीक्षा जांच करानी चाहिए ताकि नफरत का जहर बो रहे असामाजिक असहिष्णु कट्टरपंथी तत्वों को पहचान कर समुचित कार्यवाही की जाए और समाज को नफरती हिंसा से बचाया जा सके।

मनोज कुमार अग्रवाल

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिला आयुष समिति की बैठक

अमेठी। मुख्य विकास अधिकारी वीरभानु सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन में जिला आयुष समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने सर्वप्रथम उपलब्ध धनराशि एवं व्यय धनराशि की समीक्षा की। इसके उपरांत उन्होंने निर्माणाधीन आयुष चिकित्सालयों, चिकित्सालयों के उच्चारण एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर की भौतिक प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. अब्दुल बारी ने जानकारी दी कि जनपद में वर्तमान समय में 18 आयुर्वेदिक चिकित्सालय, 9 यूनानी चिकित्सालय और 22 होम्योपैथी चिकित्सालय संचालित हैं। इसके अतिरिक्त 12 आयुष हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर संचालित हैं तथा 6 आयुष सेंटरों में हर्बल गार्डन की स्थापना की गई है, जहाँ नियमित रूप से योग प्रशिक्षकों द्वारा योगाभ्यास भी कराया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी आयुष चिकित्सालयों में मरीजों को मूलभूत सुविधाएँ एवं आवश्यक दवाएँ समय पर उपलब्ध कराई जाएँ। साथ ही जिन चिकित्सालयों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, उन्हें समिति के समक्ष प्रस्तुत कर शीघ्र हैंडओवर लेने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी संतोष श्रीवास्तव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष के दादा का हुआ आकस्मिक निधन

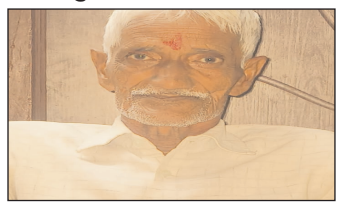

तिलोई अमेठी। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के तहसील अध्यक्ष सन्तोष त्रिपाठी के दादा की अचानक तबियत बिगड़ गई। जिन्हें लखनऊ के ट्रामा सेंटर ईलाज हेतु ले जाया गया। जहां उनका ईलाज चल रहा था। दिन रविवार करीब बारह बजे हार्टअटैक पड़ने से आकस्मिक निधन हो गया। परिवार सहित क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। जानकारी के अनुसार मोहनगंज थानाक्षेत्र के ग्राम पूरे पंडित मजरे लोधवरिया निवासी ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के तहसील अध्यक्ष सन्तोष त्रिपाठी के दादा व समाजसेवी सरोज तिवारी के पूज्य पिता विद्याभूषण तिवारी का आकस्मिक निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव में किया गया। अंतिम संस्कार में प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह व ब्लॉक तिलोई के प्रमुख प्रतिनिधि ने पहुंच कर शोकाकुल परिवार से मिलकर ढाढस व हर संभव मदद का भरोसा दिया। शोकाकुल परिवार विनोद तिवारी, विनय तिवारी, आलोक तिवारी, नीतीश, नीशू तिवारी, मनोज तिवारी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

एएनएम पर मरीज से दुर्व्यवहार का आरोप

बलरामपुर । महराजगंज तराई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महाराजगंज तराई में तैनात एएनएम पर मरीज से दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए एक व्यक्ति ने शिकायत की है। रामरूप पुरवा निवासी अशोक कुमार तिवारी ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है।शिकायत में उन्होंने बताया कि है कि 27 फरवरी को वह अपनी बहू का प्रसव कराने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महाराजगंज तराई पर गए थे। वहां तैनात एएनएम सुनीता उपाध्याय ने मरीज को बिना देखे ही बता दिया कि ऑपरेशन से प्रसव होगा। ऑपरेशन के लिए जिला अस्पताल ले जाने की बात कहकर वापस कर दिया। फिर वह अपनी बहू को जिला महिला अस्पताल ले गए। महिला अस्पताल में बहू का बिना ऑपरेशन के ही सुरक्षित प्रसव हो गया।शिकायतकर्ता का आरोप है कि एएनएम मरीजों से अच्छा व्यवहार नहीं करती हैं। गर्भवती महिलाओं को बिना देख व परामर्श के रेफर कर देती हैं। इस तरह के व्यवहार से स्वास्थ्य विभाग की छवि धूमिल हो रही है। पूर्व में भी ए,एन एम के ऊपर आरोप लग चुका है इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डॉ. विकल्प मिश्र ने बताया कि मरीज के साथ दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

बलरामपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अंतरजनपदीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, दो शातिर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जिले में लगातार हो रही मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। थाना पचपेड़वा पुलिस ने अंतरजनपदीय वाहन चोर गिरोह के दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की छह मोटरसाइकिल, 22 प्लास्टिक कुर्सियां, एक गैस सिलेंडर और 4400 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पूरे अभियान की निगरानी अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय तथा क्षेत्राधिकारी तुलसीपुर डॉ. जितेन्द्र कुमार द्वारा की जा रही थी।

मुखबिर की सूचना पर हुई गिरफ्तारी

पुलिस के अनुसार 8 मार्च 2026 को उपनिरीक्षक दिलीप कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ कस्बा पचपेड़वा के नई बाजार क्षेत्र में चोरी की घटनाओं की जांच कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि दो वाहन चोर गैसड़ी की ओर से बढ़नी की तरफ चोरी की मोटरसाइकिलों के साथ आ रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर तुलसीपुर-बढ़नी मुख्य मार्ग पर सिद्धार्थनगर जनपद के मलगहिया के पास दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान

मुस्ताक उर्फ भुर्रे पुत्र अब्दुल मजीद तथा मोहम्मद जुबेर उर्फ बादशाह पुत्र मोहम्मद मुस्तफा उर्फ नूर आलम निवासी ग्राम रजडेरवा थाना गैसड़ी जनपद बलरामपुर के रूप में हुई है।

नेपाल में बेच देते थे चोरी की बाइक

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे बलरामपुर सहित आसपास के जिलों से मोटरसाइकिल चोरी करते थे। चोरी के बाद वाहनों की नंबर प्लेट बदलकर उन्हें नेपाल में बेच देते थे। चोरी की मोटरसाइकिलों का इस्तेमाल कर वे स्कूलों, पंचायत भवनों और बंद पड़े मकानों की रेकी कर वहां भी चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

कई मामलों में दर्ज हैं मुकदमे

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद जुबेर उर्फ बादशाह हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ बलरामपुर के विभिन्न थानों में कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वहीं मुस्ताक उर्फ भुर्रे के खिलाफ भी कई चोरी के मामले दर्ज हैं।

यह सामान हुआ बरामद

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छह मोटरसाइकिल (हीरो सुपर स्प्लेंडर, होंडा सीबी साइन, हीरो होंडा स्प्लेंडर, हीरो सीडी डीलक्स, टीवीएस स्पोर्ट और बजाज पल्सर), 22 प्लास्टिक कुर्सियां, भारत गैस कंपनी का एक गैस सिलेंडर और 4400 रुपये नकद बरामद किए हैं।

इन मामलों का हुआ खुलासा

पुलिस के अनुसार आरोपियों द्वारा कस्बा पचपेड़वा, विशुनपुर टनटनवा साप्ताहिक बाजार तथा ग्राम पंचायत गुरचिहवा के सचिवालय भवन में हुई चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया गया था। इन घटनाओं के संबंध में थाना पचपेड़वा सहित अन्य थानों में पहले से मुकदमे दर्ज थे।

पुलिस टीम को मिली सफलता

पूरे ऑपरेशन को थाना पचपेड़वा प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश चौहान के नेतृत्व में अंजाम दिया गया। गिरफ्तारी में उपनिरीक्षक दिलीप कुमार सिंह, दिनेश राय, अर्जुन सिंह, हेड कांस्टेबल अजय प्रताप यादव, जितेन्द्र सिंह, रामबिहारी मिश्रा, कांस्टेबल आशीष विश्वकर्मा, वासुदेव गौड़, शिवकुमार, अरुण प्रजापति, सत्येन्द्र प्रताप सिंह और अनुराग सिंह सहित सर्विलांस व स्वाट टीम के पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है और अन्य घटनाओं में उनकी संलिप्तता की जांच की जा रही है।

पर्यटन में शामिल होगा शिवगढ़ धाम मंदिर

पचपेड़वा बलरामपुर- नगर पंचायत पचपेड़वा सीमा में स्थित सुप्रसिद्ध शिवगढ़ धाम मंदिर जल्द ही पर्यटन में शामिल होगा, जिसका खाका भेजा जा चुका है, यह बात गैसड़ी के नि. विधायक शैलेश कुमार सिंह उर्फ शैलू ने शिवगढ़ धाम मंदिर सौंदर्यीकरण और सरोवर के कायाकल्प के अवसर पर भूमि पूजन शिलान्यास करते हुए कहा, इस अवसर पर जे सी बी से सरोवर का मिट्टी निकाल कर गहरा किया।नि. विधायक ने कहा कि हमारी उत्तर प्रदेश की सरकार धार्मिक स्थलों के विकास के लिए तेजी से कार्य कर रही है , गैसड़ी विधानसभा में रहिया देवी मंदिर और पचपेड़वा का शिवगढ़ धाम मंदिर को पर्यटन स्थल के लिए लिखा गया है, पचपेड़वा चेयरमैन रवि वर्मा वंदन योजना के तहत सौंदर्यीकरण का कार्य करवा रहे हैं बहुत ही अच्छा काम हो रहा है। पचपेड़वा चेयरमैन ने कहा कि बाबा महाकाल की कृपा से यह कार्य करवाया जा रहा है। सभी श्रद्धालुओं के आस्था का केंद्र है शिवगढ़ धाम मंदिराइस अवसर पर अधिशासी अधिकारी अवनीश सिंह,ब्लॉक प्रमुख मनोज तिवारी, भाजपा नेता कामेश्वर मिश्रा, गैसड़ी चेयरमैन प्रिंस वर्मा, मंडल अध्यक्ष पचपेड़वा अमित जायसवाल, मंडल महामंत्री रामविलास विश्वकर्मा, अरुणदेव पाठक , कार्यक्रम संचालन कर रहे अभय वर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

टेलर और कार की टक्कर ऑटो सवार तीन की मौत, तीन अन्य घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के कोतवाली क्षेत्र के हरदिया में रविवार रात को हुए भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है, जिनमें से एक की हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक ट्रेलर ने कार और भानपुर से बस्ती आ रहे ऑटो रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में दो युवकों और एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। क्षेत्राधिकारी सदर सतेंद्र भूषण तिवारी ने बताया कि पीआरबी द्वारा कोतवाली पुलिस को ट्रक द्वारा ऑटो को टक्कर मारने की सूचना मिली, इसके तुरंत बाद कोतवाली पुलिस ट्रैफिक पुलिस और स्वास्थ्य कर्मी मौके पर पहुंचे और राहत व बचाव कार्य शुरू कराया तथा हालत को संभाला गया उन्होंने बताया कि पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया, जहां उनका उपचार चल रहा है, एक ही हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया

घटना की सूचना पाकर मृतक और घायलों की परिजनों नहा कर मच गया और वह जिला अस्पताल पहुंच गये पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। सूत्रों से प्राप्त सूचना के अनुसार प्रशासन रात में ही शवों का पोस्टमार्टम करवाने की तैयारी कर रहा है घटना के बाद क्षेत्र में शोक और दहशत का माहौल बना हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मानवता की मिसाल

समाजसेवी ओमकरण सिंह गौर ने 19वीं बार किया रक्तदान

ललितपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जहां पूरे विश्व में नारी शक्ति का सम्मान किया जा रहा है, वहीं समाजसेवी ओमकरण सिंह गौर ने एक अलग और प्रेरणादायक तरीके से इस दिन को यादगार बनाया। उन्होंने 19वीं बार रक्तदान कर मानवता की एक अनूठी मिसाल पेश की और समाज को सेवा का संदेश दिया। रक्तदान करने के पश्चात ओमकरण सिंह गौर ने कहा कि महिला दिवस केवल उत्सव मनाने का ही नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का भी दिन है। उन्होंने युवाओं और उपस्थित लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि रक्तदान एक महान कार्य है। हमारे थोड़े से प्रयास से किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है। किसी की जिंदगी बचाने से बड़ा दुनिया में कोई पुण्य नहीं है। इस अवसर पर मौजूद गणमान्य नागरिकों और स्वास्थ्य कर्मियों ने उनके इस कार्य की सराहना की। उपस्थित लोगों का कहना था कि ओमकरण सिंह गौर द्वारा नियमित अंतराल पर रक्तदान करना समाज के लिए एक सकारात्मक उदाहरण है।

सपा कांशीराम की 92वीं जयन्ती 1625 बूथों पर मनायेगी

●पीडीए प्रभारी दीपक खोटे वाल्मीक कार्यक्रम संयोजक मनोनीत किये गये

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर की बैठक आज दिन में 3 बजे सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद की अध्यक्षता मे कांशीराम की 92वीं जयन्ती को लेकर आरंभ हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि मान्यवर कांशीराम जी की 92वीं जयन्ती भव्यता के साथ नगर के 1625 बूथों पर मनायी जायेगी तथा 470 मलिन बस्तियों समन्वय समिति बनाकर उनकी नीतियों से अवगत करा?या जायेगा और बच्चों को स्कूल भेजने को प्रेरित कर मदद भी की जायेगी अध्यक्ष फजल महमूद ने कहा कि कार्यक्रम के संयोजक पीडीए प्रभारी दीपक खोटे वाल्मीक को बनाया गया है जो बूथों पर प्रभारियों को जिम्मेदारी सौंपेंगे। अध्यक्ष फजल महमूद ने संबोधन मे कहा कि भाजपा सरकार घरेलू गैस के दाम बढ़ाकर परिवार की व्यवस्था छीन रही है जिससे सर्वहारा उनकी नीतियों से पीड़ित व भयावह स्थिति का सामना करने के लिये मजबूर हो रहा है। अध्यक्ष फजल महमूद ने संबोधन मे कहा कि किए निर्यात न होने से कामगारो के समक्ष बेरोजगारी की समस्या बढने जा रही है लेकिन सरकार इस ओर उदासीन है। कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद,प्रदेश सचिव के के शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू, महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर, शबाब अबरार, सत्यनारायण गहरवार, परमवीर गंभीर,आनंद शुक्ला, नंदलाल जयसवाल, महेन्द्र सिह,रजत मिश्रा, शादाब आलम,अर्पित त्रिवेदी, अरमान खान,मोनू विश्वकर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

मनोरमा की सफाई के लिए प्रशासन व समाजसेवियों की संयुक्त बैठक सम्पन्न

●चैत्र रामनवमी से पहले मखौड़ा धाम सहित मनोरमा नदी के प्रमुख घाटों की सफाई होगी – डीसी मनरेगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी चंद्रमणि पांडे द्वारा मनोरमा नदी की सफाई को लेकर चल रहे जनजागरण अभियान के क्रम में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी के निर्देश पर डीसी मनरेगा संजय शर्मा की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में वरिष्ठ समाजसेवी व भाजपा नेता चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' तथा उनके सहयोगियों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में डीसी मनरेगा ने श्री पाण्डेय को बताया कि आपके द्वारा भेजे गए पत्र के क्रम में पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी के प्रयासों से एक सप्ताह पूर्व दो दिनों के लिए आयी केन्द्रीय जल आयोग/गंगा समिति की टीम द्वारा मनोरमा नदी का सर्वेक्षण कराया गया है। आयोग द्वारा तैयार किए जा रहे प्रस्ताव के अनुसार नदी की दीर्घकालिक समस्या के समाधान की दिशा में आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' ने स्पष्ट रूप से कहा कि मनोरमा नदी केवल जलधारा नहीं बल्कि जनपद की आस्था और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। इसके संरक्षण और स्वच्छता के लिए समाज और प्रशासन दोनों की संयुक्त जिम्मेदारी है।यह बैठक केवल केंद्र सरकार या गंगा समिति की कार्यवाही जानने के लिए नहीं है, बल्कि 5 फरवरी को दिए गए मांगपत्र के क्रम में जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय स्तर पर किए जाने वाले ठोस कदमों पर चर्चा के लिए है। उन्होंने कहा कि नदियों की सफाई सुनिश्चित करना, प्रदूषण फैलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करना और अतिक्रमण हटाना स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी है।

बैठक में रोटरी क्लब के पूर्व जिलाध्यक्ष मयंक श्रीवास्तव ने आगामी रामनवमी मेले को देखते हुए मेला प्रशासन की भूमिका स्पष्ट करने की मांग की। वहीं भाजपा नेता जगतबली सिंह ने नदी में मलवे के कारण हुई दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त की।

जिला पंचायत सदस्य विनोद चौधरी और डॉ. प्रेम त्रिपाठी ने नदी किनारों पर बढ़ते अतिक्रमण पर रोक लगाने की आवश्यकता पर बल दिया। करीब दो घंटे चली गहन चर्चा के दौरान श्री पाण्डेय ने कहा कि यदि बैठक में ठोस निर्णय नहीं निकलता तो प्रशासन को अगली बैठक बुलाकर स्पष्ट कार्ययोजना बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि नदी की सीमा से अतिक्रमण हटाना, गंदगी फैलाने वालों पर कार्रवाई करना, पौराणिक स्थलों के पास घाटों की सफाई कराना तथा मूर्ति विसर्जन को नदी की मुख्य धारा से अलग सुरक्षित स्थान पर सुनिश्चित करना प्रशासन का दायित्व है।

बैठक के अंत में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि चैत्र रामनवमी से पूर्व मखौड़ा धाम, शिवाला घाट, तपसीधाम, झुंगीनाथ, पंडूल घाट सहित नदी तट पर स्थित लगभग एक दर्जन प्रमुख घाटों और करीब 10-12 किलोमीटर नदी क्षेत्र की सफाई सुनिश्चित की जाएगी।

साथ ही मूर्ति विसर्जन के लिए नदी किनारे सुरक्षित स्थान तैयार किया जाएगा। नदी में मल-मूत्र, कूड़ा-कचरा या अपशिष्ट डालने वालों तथा मांस-मछली की दुकानों की निगरानी कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, घाघरा नदी को मनोरमा से जोड़ने तथा पूरी नदी की व्यापक सफाई के लिए जिलाधिकारी के निर्देश व गंगा समिति के प्रस्ताव के अनुरूप आगे की कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में सिंचाई एवं बाढ़ खंड के अधिकारियों के साथ-साथ महेंद्र प्रताप सिंह, राहुल शर्मा, रामधीरज चौधरी,गिरजा शंकर द्विवेदी, देवशरण शुक्ल, विशाल मिश्र सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता व क्षेत्रीय प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

महिला आयोग की सदस्य श्रीमती एकता सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को सर्किट हाउस सभागार में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में राज्य महिला आयोग की मा. सदस्य श्रीमती एकता सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को सर्किट हाउस सभागार में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनसुनवाई में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं ने अपनी समस्याएं और शिकायतें प्रस्तुत कीं, जिन्हें गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, पारिवारिक विवाद, संपत्ति विवाद तथा अन्य सामाजिक समस्याओं से जुड़े कई प्रकरण सामने आए। मा. सदस्य सिंह ने कहा कि महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और न्याय के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों में त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि पीड़ित महिलाओं को समय पर न्याय मिल सके।

उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं को न्याय दिलाना और उनकी समस्याओं का समाधान करना आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिकायतों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि सभी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें और पीड़ित महिलाओं को हर संभव सहायता उपलब्ध कराएं। जनसुनवाई के दौरान कुल 08 मामला आया। इसमें मालती देवी, संजना शुक्ला, नीतू सिंह, यशोदा देवी, सोना देवी, गुंजा निषाद, खुशी सिंह तथा मकदूम है। कार्यक्रम में सुनवाई के दौरान क्षेत्राधिकारी हरैया स्वर्णिमा सिंह, एसएचओ महिला थानाध्यक्ष शालिनी सिंह, बाल संरक्षण अधिकारी बीना सिंह, जिला समन्वयक सचिन कसौधन, एडीओ समाज कल्याण एसएन चौधरी, सीडीपीओ बलराम सिंह, वरिष्ठ सहायक अशोक सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की शान्ति देवी, किरन तथा रमा यादव, साधना अग्रहरि सहित संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

खंड विकास अधिकारी नहीं बैठते हैं कार्यालय में आम जनता की नहीं हो रही है सुनवाई

●भ्रष्टाचार की आग में डूबी हरैया ब्लाक गरीबों की नहीं होती है सुनवाई।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जिले केहरैया ब्लॉक में भ्रष्टाचार का बोलबाला, व्यवस्थाओं पर उठने लगे बड़े सवाल। बीडीओ हरैया विनय कुमार द्विवेदी सीयूजी नंबर तक उठाने से करते हैं परहेज, फरियादी परेशान। सफाई कर्मियों के भरोसे चल रहा ब्लॉक कार्यालय, जिम्मेदारी वाले पटल पर भी वही संभाल रहे काम। जब सफाई कर्मी दिनभर ब्लॉक में ही ड्यूटी कर रहे, तो गांवों में सफाई व्यवस्था कौन संभाल रहा? बड़ा सवाल। रोस्टर के बावजूद पंचायत भवन नहीं पहुंच रहे ग्राम पंचायत सचिव, ग्रामीणों के काम लगातार हो रहे प्रभावित। बीडीओ विनय कुमार द्विवेदी के संरक्षण में सचिवों की मनमानी, गांवों में जाने के बजाय निजी ऑफिस खोलकर कर रहे काम। मीडिया के सामने एडीओ पंचायत ने सचिवों को फोन मिलाया, लेकिन कोई भी अपने रोस्टर के अनुसार ग्राम पंचायत में नहीं मिला। ADO पंचायत ने मीडिया को बताया सभी सचिवों को जारी की जा रही है नोटिस मांगा जा रहा है जवाबलेकिन क्या जारी होगी नोटिस या सिर्फ रहेगा हवा- हवाई साबित हुआ

यह तो पता चलेगा शाम तक

वरिष्ठ भाजपा नेता सूर्यबली सिंह ने हरैया ब्लाक में व्याप्त भ्रष्टाचार का उठाया मुद्दा, सोशल मीडिया के जरिए उच्च अधिकारियों से जांच व कार्रवाई की मांग।अब बड़ा सवाल – हरैया ब्लॉक में चल रहे भ्रष्टाचार पर कब लगेगी लगाम और ग्रामीणों को कब मिलेगा सही हक? क्या इसमें उच्च अधिकारी भी है शामिल जिससे नहीं होती है इन कर्मचारियों पर कार्रवाई आखिर कब मिलेगा ग्रामीणको न्याय.. कब मिलेगा पीड़ित व्यक्ति ब्लॉक के चक्कर काटते काटते मायूस हो गया लेकिन अधिकारियों के दया नहीं आई भ्रष्टाचार में डूबे अधिकारी एवं कर्मचारी पीड़ित की सनी ना करकेमयुष कर दिया उसको निराश होकर मीडिया के सामने अपना दुखड़ा बताया फिर भी अधिकारियों की कुर्सी खाली मिला।

मौलाना अब्दुल्लाह सलीम के विवादित बयान पर भड़का आक्रोश

●भाजपा कार्यकर्ताओं ने पचपेड़वा चौराहे पर फूंका पुतला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गैसड़ी/बलरामपुर। मौलाना अब्दुल्लाह सलीम की कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में क्षेत्र में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने तीखी नाराज़गी जताते हुए पचपेड़वा चौराहे पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और मौलाना का पुतला फूंककर कड़ा संदेश दिया। कार्यक्रम का नेतृत्व पूर्व विधायक शैलेश कुमार सिंह शैलू ने किया, जबकि आयोजन की अगुवाई भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित कुमार अप्पू ने की। विधानसभा क्षेत्र गैसड़ी (292) के पचपेड़वा चौराहे पर बड़ी संख्या में जुटे भाजपा कार्यकर्ताओं ने मौलाना के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उनके बयान की कड़ी निंदा की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि किसी भी व्यक्ति द्वारा समाज, धर्म या देश की मर्यादा को ठेस पहुंचाने वाली भाषा का प्रयोग करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे बयानों से सामाजिक सौहार्द बिगड़ता है और जनता की भावनाएं आहत होती हैं। इस अवसर पर पूर्व विधायक शैलेश कुमार सिंह शैलू ने कहा कि भारत की संस्कृति आपसी भाईचारे, सम्मान और सद्भाव की रही है। ऐसे में कोई भी व्यक्ति यदि समाज को बांटने या अपमानजनक टिप्पणी करने का प्रयास करता है तो उसका लोकतांत्रिक तरीके से कड़ा विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्रहित और समाज की गरिमा की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं और भविष्य में भी ऐसे मामलों में चुप नहीं बैठेंगे।

भाजपा नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मौलाना अब्दुल्लाह सलीम अपने बयान को लेकर सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते हैं, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से भी मांग की कि मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी इस प्रकार की टिप्पणी करने से पहले सौ बार सोचे।

पुतला दहन कार्यक्रम में पचपेड़वा ब्लॉक प्रमुख मनोज तिवारी, नगर पंचायत पचपेड़वा के चेयरमैन रवि वर्मा, अरूण कुमार चतुर्वेदी, अरूण देव पाठक, नन्दकुमार पाण्डेय, विजयपाल प्रजापति, सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

प्रदर्शन के दौरान पचपेड़वा चौराहे पर कुछ देर के लिए माहौल काफी गरमा गया और राहगीरों की भीड़ भी जमा हो गई। हालांकि कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। भाजपा नेताओं ने स्पष्ट कहा कि समाज की एकता और सम्मान के खिलाफ किसी भी प्रकार की टिप्पणी को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इंस्पेक्टर अरुण राय हत्याकांड में आरोपी सिपाही मीनाक्षी की कोर्ट में पेशी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

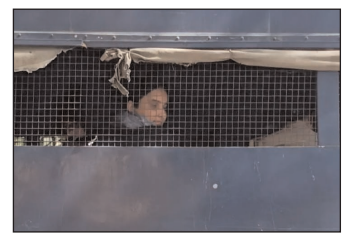

उरई(जालौन)- जिला कारागार में बंद सिपाही मीनाक्षी को सोमवार को इंस्पेक्टर अरुण कुमार राय हत्याकांड के मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। चार्जशीट दाखिल होने के बाद करीब 90 दिन बाद यह पहली बार है जब मीनाक्षी को अदालत में पेशी के लिए लाया गया। इस दौरान कोर्ट परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

पेशी के दौरान मीनाक्षी काले कपड़े पहनकर अदालत पहुंची। वहीं उसकी पेशी की जानकारी मिलने पर उसके पिता भी कोर्ट परिसर में अपनी बेटी से मिलने पहुंचे। पुलिस अभिरक्षा में मीनाक्षी को जिला कारागार से अदालत लाया गया, जहां मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में मामले की सुनवाई हुई।

गौरतलब है कि जालौन जनपद में तैनात इंस्पेक्टर अरुण कुमार राय की 5 दिसंबर को गोली लगने से मौत हो गई थी। इस घटना से पूरे पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया था। मामले की जांच के दौरान 6 दिसंबर को सिपाही मीनाक्षी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 7 दिसंबर को उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। घटना के बाद से यह मामला लगातार चर्चा में बना हुआ है। पुलिस द्वारा विस्तृत जांच के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है जिसके बाद अब इस मामले की नियमित सुनवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। वहीं, आरोपी मीनाक्षी की ओर से दाखिल नियमित जमानत और डिफॉल्ट बेल की अर्जी को अदालत पहले ही खारिज कर चुकी है। ऐसे में फिलहाल मीनाक्षी को जेल में ही रहना पड़ेगा। इंस्पेक्टर अरुण कुमार राय हत्याकांड को लेकर जिले में लोगों की नजरें न्यायिक प्रक्रिया पर टिकी हुई हैं। आने वाले समय में अदालत में होने वाली सुनवाई के दौरान इस मामले से जुड़े कई अहम पहलुओं पर स्थिति साफ होने की उम्मीद है।

संक्षिप्त खबरें

मां बेटे के साथ हुई मारपीट का केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। मां बेटे के साथ हुई मारपीट की घटना को लेकर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के तिवरानन का पुरवा पहाड़पुर गांव की मालकिन सरोज पत्नी परसूराम सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती आठ मार्च को सुबह करीब सात बजे उसका पुत्र सूरज घर से शौच के लिए निकला था। पीड़िता का आरोप है कि इसी दौरान रंजिशन गांव के चंदन कोरी पुत्र लोकनाथ कोरी, नंचू पुत्र कमलेश कोरी व बिटटू पुत्र लोकनाथ ने उसे मारापीटा। जानकारी होने पर उलाहना देने पीड़िता आरोपी के घर गयी तो वहां आरोपियों ने गालीगलौज करते हुए पीड़िता को मारापीटा व जानलेवा धमकी दी। एसओ गौरव त्रिवेदी का कहना है कि जांच के बाद तीन आरोपियो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पारिवारिक विवाद में हुई मारपीट, दर्जन भर पर केस हुआ दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। पारिवारिक विवाद में हुई मारपीट की घटना को लेकर दर्जन भर आरोपियो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। लालगंज कोतवाली के मादामई हनुमानपुर गांव निवासी छोटेलाल गुप्ता पुत्र रामसुख ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती आठ मार्च को सुबह साढ़े सात बजे अपने भतीजे विजय गुप्ता पुत्र रामऔतार गुप्ता से अपना मकान खाली करने के लिए कहा तो वह मारपीट पर आमादा हो गया। पीड़ित का आरोप है कि विरोध करने पर विजय गुप्ता की पत्नी पिंकी व गांव के राकेश गुप्ता उर्फ सेठई पुत्र सुंदरलाल व उसकी पत्नी संगीता, मगन गुप्ता पुत्र गुरूदीन, राहुल गुप्ता पुत्र कल्लू गुप्ता, माताबदल पुत्र रामनेवाज व चार पांच अज्ञात आरोपियों ने एकराय होकर उसे मारने पीटने लगे। बचाव में पहुंचे परिवार के लालचंद्र गुप्ता, मंजू, नेहा को भी मारापीटा। आरोपियों ने घर में घुसकर भी परिवारीजनों के साथ मारपीट की व जान से मारने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि जांच के बाद दर्जन भर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

सिविल लाइन नई बस्ती में बूंद-बूंद पानी को मोहल्लेवासी परेशान, डीएम को सौंपा पत्र

ललितपुर। शहर के वार्ड नंबर 17 स्थित मोहल्ला सिविल लाइन नई बस्ती गुल्लन भारा चक्की के सामने के निवासियों ने पेयजल की भीषण समस्या को लेकर जिलाधिकारी को शिकायती पत्र भेजा है। मोहल्लेवासियों का आरोप है कि सालों से नलों में पानी नहीं आ रहा है, जिससे दैनिक कार्यों और पीने के पानी के लिए लोग भटकने को मजबूर हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि मोहल्ले में पानी का एकमात्र सहारा एक हैंडपंप था, लेकिन पिछले एक माह से उसने भी पानी देना बंद कर दिया है। पीने के पानी की व्यवस्था न होने से पूरा मोहल्ला मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान है। जिलाधिकारी को दिए पत्र में मोहल्लेवासियों ने मांग की है कि मोहल्ले में जो नई पाइपलाइन डाली गई है, उसे तुरंत मुख्य लाइन से जोड़कर चालू किया जाए। खराब पड़े हैंडपंप में अतिरिक्त पाइप डलवाकर उसे क्रियाशील बनाया जाए। पानी की किल्लत को देखते हुए मोहल्ले में कुछ अतिरिक्त हैंडपंप लगवाए जाएं। जल संकट से जूझ रहे मोहल्लेवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वह आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। पत्र सौंपने वालों में विमलेश, सरोज, बिमला देवी, प्रतिभा राजा बुन्देला, सोनम, नीलम, निशा, कुसुम और रेखा झा सहित अनेक मोहल्लेवासी शामिल रहे।

अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम की मांग पर वकीलों की आवाज हुई तेज, किया एकजुटता का प्रदर्शन

प्रतापगढ़। आल इण्डिया रूरल बार एसोसिएशन द्वारा अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम विधेयक की मांग को लेकर जारी मुहिम सोमवार को प्रदेश की राजधानी में धार लिए दिखी। एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल एवं महासचिव अनिल कुमार तिवारी महेश की संयुक्त अगुवाई में कलेक्ट्रेट परिसर व सिविल कोर्ट कैम्पस में विधेयक को लेकर सरकार की अनसुनी पर घेराबंदी की गई।राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि मौजूदा केन्द्र व राज्य सरकार सिर्फ अधिवक्ताओं के हितों को नजर अंदाज करने पर आमादा है। राष्ट्रीय महासचिव अनिल तिवारी महेश ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि वकीलों की सुरक्षा व सुविधा को इसी तरह सरकार नजर अंदाज करती रही तो प्रदेश में अधिवक्ताओं का संघर्ष अब क्रांति का रूप लेगा। सभा की अध्यक्षता उ0प्र0 कांग्रेस विधि प्रकोष्ठ के चेयरमैन अली आसिफ जमा रिजवी ने किया। उन्होने रूरल बार एसोसिएशन के द्वारा अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम की मांग को जायज ठहराते हुए संघर्ष में सहयोग का वायदा किया।

हमारी बेटियां जितना सशक्त होगी समाज व देश उतना मजबूत होगा -प्रेमलता सिंह

● अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर खेल प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं संगोष्ठी आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर रविवार को माय भारत तथा स्पोर्ट अथारिटी ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में नगर के साकेत महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण एवं खेल प्रतियोगिता सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं संगोष्ठी आयोजित की गई ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमलता सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया ।उन्होंने खेल प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को मेडल व प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हमारी बेटियां जितना सशक्त होंगी समाज व देश उतना मजबूत होगा। हमारे देश में बेटियों महिलाओं का बहुत सम्मान है। कहा गया है कि जहां नारियों का सम्मान होता है वहां देवता वास करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियां में प्रतिभा की कमी नहीं है उन्हें अपने प्रतिभा निखारने का अवसर मिलना चाहिये। समारोह की अध्यक्षता विशेष कार्य अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना उत्तर प्रदेश डॉक्टर मंजू सिंह ने विजयी प्रतिभागियों को मेडल व प्रमाण पत्र प्रदान किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हमारी बेटियां अपने कुल का गौरव है। वे अपनी प्रतिभा से शिक्षा जगत के साथ उच्च प्रशासनिक सेवाओं में विशेष प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक और राजनीतिक कार्यों के प्रति महिलाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से ही महिला दिवस मनाया जा रहा है ।उन्होंने कहा कि प्रदेश व केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। समारोह को महिला थाना अध्यक्ष मीनाक्षी पांडे ने कहा कि सरकार महिलाओं की सुरक्षा के प्रति कृत संकल्प है।आज महिलाएं निर्भीक होकर अपनी उच्च शिक्षा और रोजगार के लिए अग्रसर है। जिला महिला मोर्चा भाजपा की अध्यक्ष रुचि केसरवानी, क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष काशी क्षेत्र श्रीमती प्रतिभा सिंह टैलेंट एवं रिक्रूटमेंट कंसल्टेशन सुश्री बागीशा सिंह ने की समारोह को संबोधित किया। समारोह में माय भारत के संयुक्त निदेशक समर बहादुर सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सहित सभी अतिथियों को प्रतीक चिन्ह एवं अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में समाजसेवी रोशन लाल उमर वैश्य,पूर्व सहायक निदेशक सूचना आरबी सिंह साकेत महाविद्यालय के प्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव प्राचार्या नीलमा श्रीवास्तव उपप्राचार्याडॉक्टर अनीता पांडे डेंटल सर्जन डॉ अवंतिका पांडे, राज्य प्रशिक्षक विश्व जीतसिंह युवा मंडल अध्यक्ष श्याम नारायण पटेल तथा विद्यालय की शिक्षिकाएं ने कार्यक्रम में भाग लिया। स्पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के कोच आशुतोष सिंह ने खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का मार्गदर्शन किया ।कार्यक्रम का संचालक मायभारत के लेखाकार विनय मिश्रा ने किया।

इस अवसर पर आयोजित खेल प्रतियोगिता में 100 मीटर 200मीटरतथा 400 मीटर दौड़ 13 वर्ष ,18से 18 वर्ष तथा 18 वर्ष से ऊपर प्रतिभाग करने वाली विजई प्रतिभागियों प्रथम द्वितीय तथा तृतीय कुल 27 बालिकाओं को मेडल व प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।100 मीटर की दौड़ में 13 वर्ष में अनामिका मिश्रा, 200 मीटर में महिमा राव, 400 में खुशी शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।13 से 18 वर्ष में 100 मीटर में करिश्मा पटेल,200 मीटर में करिश्मा पटेल तथा 400 मीटर में जागृति सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।इसी क्रम में 18 वर्ष से ऊपर 100 मीटर में मानसी सरोज,200 मीटर में अलका तथा 400 मीटर में किरण शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।अन्त में संयुक्त निदेशक समर बहादुर सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

कृष्णा सरोज का आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स में चयन

प्रतापगढ़। जनपद के प्रतिभाशाली खिलाड़ी कृष्णा सरोज का चयन आईपीएल फ्रेंचाइज़ी पंजाब किंग्स के साथ नेट बॉलर के रूप में हुआ है। कृष्णा सरोज ने टीम को जॉइन कर लिया है और उनका प्रशिक्षण प्रारंभ हो चुका है। बताते चलें कि कृष्णा सरोज पिछले 6-7 वर्षों से पूरे समर्पण, अनुशासन के साथ निरंतर कठोर परिश्रम से स्वयं को एक उत्कृष्ट खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है।उनकी मेहनत, धैर्य और खेल के प्रति समर्पण आज उन्हें इस महत्वपूर्ण मुकाम तक लेकर आया है। जिला क्रीड़ा अधिकारी पूनम लता राज, आदित्य शुक्ला एवं स्टेडियम परिसर से जुड़े प्रशिक्षक एवं खिलाड़ियों ने होनहार कृष्णा सरोज को इस कामयाबी के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

गंगा मेला आज : ऐतिहासिक हटिया मेला-गंगा मेला के मद्देनजर पुलिस आयुक्त ने किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कानपुर का प्रसिद्ध हटिया मेला व गंगा मेला कल यानि कि आज मनाया जाएगा। इसके तहत आज दिनांक 09.03.2026 को पूर्वी जोन अंतर्गत थाना मूलगंज क्षेत्र में हटिया से प्रारंभ होने वाले ऐतिहासिक गंगा मेला जुलूस के दृष्टिगत सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेने हेतु पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल द्वारा अपर पुलिस आयुक्त डॉ. विपिन ताडा एवं पुलिस उपायुक्त पूर्वी श्री सत्यजीत के साथ हटिया व सरसैया घाट का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जुलूस मार्ग, यातायात प्रबंधन, रूट डायवर्जन, बैरिकेडिंग, भीड़ नियंत्रण, पार्किंग व्यवस्था, सरसैया घाट पर आवश्यक व्यवस्थाएं तथा अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई तथा उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, जिससे कार्यक्रम को सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराया जा सके। इस अवसर पर अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी अंजली विश्वकर्मा सहित संबंधित एसीपी व स्थानीय पुलिस बल मौके पर मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जुलूस के दौरान सुरक्षा, यातायात व्यवस्था एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं, जिससे कार्यक्रम सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

जिला मजिस्ट्रेट ने जनपद में 01 मई तक निषेधाज्ञा लागू की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिला मजिस्ट्रेट शिव सहाय अवस्थी ने बताया है कि 21 मार्च को ईद-उल-फितर, 26 मार्च को रामनवमी, 31 मार्च को महावीर जयन्ती, 03 अप्रैल को गुड फ्राइडे, 14 अप्रैल को डा0 भीमराव अम्बेडकर जन्म दिवस एवं 01 मई को बुद्ध पूर्णिमा का त्योहार है। इसी बीच विभिन्न पाठ्यक्रमों, पुलिस भर्ती परीक्षा एवं अन्य परीक्षाएं भी सम्भावित है। जिला मजिस्ट्रेट ने त्योहार पर विशेष सतर्कता बरते जाने व शांति व्यवस्था एवं परिशांति परिपालित करने तथा साम्प्रदायिक सद्भाव एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाये रखने के उद्देश्य से जनपद में 01 मई तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू कर दिया है। यह आदेश जनपद के सम्पूर्ण क्षेत्र में एवं जनपद में निवास करने वाले तथा जनपद की सीमा में प्रवेश करने वाले समस्त व्यक्तियों पर प्रभावी होगा। उन्होने बताया है कि एक स्थान पर 5 या 5 से अधिक व्यक्तियों का विधि विरूद्ध जमाव प्रतिबन्धित किया जाता है। कोई भी व्यक्ति किसी सार्वजनिक स्थानों पर रिवाल्वर, पिस्टल, राइफल, एक नली बन्दूक व दो नली बन्दूक अथवा घातक हथियार यथा चाकू बल्लम, फरसा, विस्फोटक, ज्वलनशील पदार्थ, तेजाब आदि अथवा लाठी, डंडा, हाकी स्टिक आदि या किसी भी प्रकार का हथियार/शस्त्र लेकर नहीं चलेगा, न तो उसका प्रयोग करेगा। यह प्रतिबन्ध सरकारी ड्युटी पर तैनात अधिकारी/कर्मचारी तथा बैंक में लगे हुए सुरक्षा कर्मियों पर लागू नहीं होगा। शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को उनके सहारे के रूप में लाठी या डंडा लेकर चलने की छूट रहेगी। किसी भी सार्वजनिक धार्मिक स्थल पर डी0जे0, गीत-संगीत आदि की आवाज निर्धारित मानकों से अधिक नहीं होगी व लाउडस्पीकर का प्रयोग किसी भी दशा में इस प्रकार से नहीं किया जायेगा, जिससे विभिन्न सम्प्रदाय के लोगों में उत्तेजना फैलने की सम्भावना हो। लाउडस्पीकर का प्रयोग सक्षम अधिकारी एवं संबन्धित उप जिला मजिस्ट्रेट की पूर्व अनुमति से ही किया जा सकेगा। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह किसी भी सार्वजनिक, धार्मिक स्थल पर कोई ऐसी जनसभा, रैली या जुलूस का आयोजन नहीं किया जायेगा और न ही किसी प्रकार की अफवाह फैलाई जायेगी जिससे विभिन्न समुदाय के लोगों में मनमुटाव, वैमनस्यता या घृणा की भावना उत्पन्न हो।

परीक्षा केन्द्रों के आस-पास 200 मीटर की परिधि में ध्वनि विस्तारक यन्त्रों, ब्लूटूथ एवं आई0टी0 गैजेट्स सहित इसी प्रकार की अन्य इलेक्ट्रनिक डिवाइस का प्रयोग पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगा। परीक्षा केन्द्र के आस-पास 01 किमी0 की परिधि में फोटो कापियर एवं स्कैनर का संचालन परीक्षा अवधि में पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगा। परीक्षा की समाप्ति तक किसी भी अभ्यर्थी अथवा प्रश्न-पत्र को परीक्षा केन्द्र से बाहर नहीं जाने दिया जाएगा।

महिला आयोग की सदस्य 13 मार्च को विकास भवन में करेंगी महिला जनसुनवाई

प्रतापगढ़। प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के दौरान जनपद प्रतापगढ़ आ रही हैं।12 मार्च को महिला आयोग की सदस्य पूर्वान्ह 11 बजे विधानसभा विश्वनाथगंज के ग्राम तेजगढ़ में 7वाँ विशाल अवसान माता पूजन महोत्सव कार्यक्रम में सम्मिलित होंगी। अपरान्ह 1.30 बजे बाबा घुइसरनाथधाम जायेंगी जहां पर दर्शन पूजन करेंगी। अपरान्ह 4.30 बजे इण्टरनेशनल दिल्ली पब्लिक स्कूल रंजीतपुर चिलबिला जायेंगी जहां पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करेंगी। अपरान्ह 6.20 बजे महिला आयोग की सदस्य निरीक्षण भवन प्रतापगढ़ आयेंगी।13 मार्च को महिला आयोग की सदस्य विकास भवन सभागार में पूर्वान्ह 11 बजे महिला उत्पीड़न की घटनाओं की समीक्षा/महिला जनसुनवाई करेंगी एवं उसके उपरान्त सम्बन्धित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगी।

भूमि विवाद में दबंगई, बोर्ड उखाड़ने के विरोध पर जान से मारने की धमकीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर। साढ़ थाना क्षेत्र के हाजीपुर कदीम गांव में भूमि विवाद को लेकर दबंगों द्वारा सूचना बोर्ड उखाड़कर जबरन कब्जा करने का मामला सामने आया है,, विरोध करने पर पीड़ित पक्ष को मारपीट और जान से मारने की धमकीं दी गई, मामले में पुलिस ने नामजद समेत अज्ञात आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है, फतेहपुर जनपद के बिदकीं कोतवाली क्षेत्र के जूराखेडा गांव निवासी रमेश सिंह की ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार साढ़ थाना क्षेत्र की नरवल तहसील अंतर्गत राजस्व गांव हाजीपुर कदीम में उनकी भूमि स्थित है,उसी भूमि पर उनके पुत्र राजीव कुमार का एक सूचना बोर्ड लगा हुआ था, आरोप है कि बीतें दिनों मुल्लाखेडा गांव निवासी शिवेंद्र सिंह यादव, देवेंद्र यादव,मोहर यादव,मनोज यादव, तथा उनके साथ आएं तीन चार अज्ञात लोग वाहनों से मौके पर पहुंचे और जबरन सूचना बोर्ड उखाड़कर कर अपने साथ ले गए, घटना की जानकारी मिलने पर जब पीड़ित पक्ष के रिश्तेदार मौके पर पहुंचे, और विरोध किया तो आरोपियों ने मारपीट पर आमादा होते हुए जान से मारने की धमकीं दी,और मौके से फरार हो गए, साढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर चार नामजद और तीन चार अज्ञात आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

उत्तर प्रदेश बनेगा सौर उर्जा निवेश का हब, लखनऊ में होगा यूपी एनर्जी एक्सपो 2026 का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश को स्वच्छ ऊर्जा निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने के उद्देश्य से पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (PHDCCI) और फर्स्ट व्यू ने यूपीनेडा, उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर काम किया है। उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना पर एक PEX प्री-इवेंट जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विकास भवन, कानपुर में किया। इस कार्यक्रम में उद्योग जगत के हितधारकों (stakeholders) ने भाग लिया और सौर ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ते अवसरों, नीतियों और संभावनाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दीक्षा जैन, आईएएस, मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ), कानपुर ने कहा कि उत्तर प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना और पीएम कुसुम योजना जैसे प्रयास घरों, किसानों और उद्योगों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, जिससे सतत विकास और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती मिल रही है। प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए , अतुल श्रीवास्तव, सीनियर रीजनल डायरेक्टर, PHDCCI ने बताया कि यूपी एनर्जी एक्सपो 2026 का आयोजन 7 से 9 मई 2026 तक इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में किया जाएगा, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न हितधारक (stakeholders) एक मंच पर आएंगे।

उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय एक्सपो में भारत और विदेशों से 150 से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे तथा 10 विशेष सत्र और 60 से अधिक वक्ता नई तकनीकों, नीतियों और निवेश के अवसरों पर चर्चा करेंगे। वी.के. वर्मा, संयुक्त निदेशक, MSME, ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र के लिए सौर ऊर्जा अपनाना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उद्योगों की लागत कम हो सकती है और सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा। अंजनीश प्रताप सिंह, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र (DIC), कानपुर ने कहा कि सौर ऊर्जा उद्योगों के लिए किफायती होती जा रही है और इससे राज्य तथा देश के औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। सुदीप गोयनका, निदेशक, गोल्डी ग्रुप लि. ने कहा कि सौर ऊर्जा में असीम संभावनाएं हैं ,ऊर्जा का इससे बेहतर विकल्प नहीं हो सकता। इस अवसर पर राजेश कुमार पांडेय, परियोजना प्रबंधक, PNEDA, कानपुर, ने पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना और पीएम कुसुम योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना के तहत सौर ऊर्जा अपनाने में उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में से एक बनने की क्षमता रखता है और इसमें अपार संभावनाएँ हैं। अनुराग मिश्रा, कानपुर ब्रांच हेड, च्श्वढ्ढ इंडस्ट्रीज, ने भी नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ते अवसरों पर अपने विचार साझा किए।

होली के त्यौहार से समाज में एकता व सद्भावना को मजबूती मिलती है - डॉ नीरज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

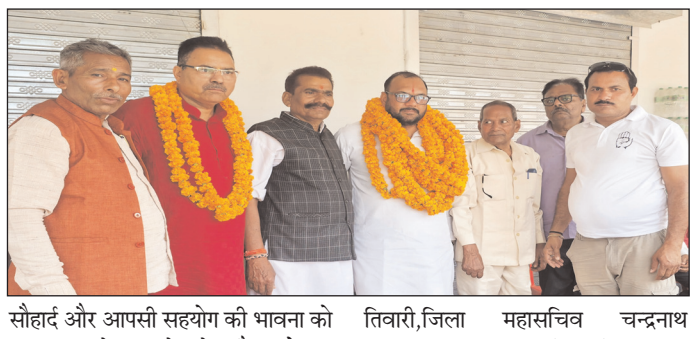

प्रतापगढ़। विश्वनाथगंज विधानसभा क्षेत्र के सडवा खास ग्रामसभा में जिला सचिव उमेश तिवारी के संयोजन में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ.नीरज त्रिपाठी ने कहा कि होली आपसी प्रेम,भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक पर्व है। यह पर्व हमें आपसी मतभेद भुलाकर एक दूसरे के साथ खुशियां बांटने की प्रेरणा देता है। ऐसे आयोजनों से समाज में एकता और सद्भावना को मजबूती मिलती है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं से कहा कि वह जनता के बीच जाकर कांग्रेस की नीतियों व विचारधारा को मजबूत करें। जिला उपाध्यक्ष इन्द्रानंद तिवारी ने कहा कि होली का त्योहार हमारी संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह पर्व हमें प्रेम, सौहार्द और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है।आयोजक उमेश तिवारी ने आये हुए क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष वेदान्त तिवारी, कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष महेन्द्र शुक्ल,एसआईआर प्रभारी रामशिरोमणि वर्मा, मनरेगा प्रभारी रवि भूषण सिन्हा,कांग्रेस सेवादल के उपाध्यक्ष प्रेम शंकर द्विवेदी, जिला उपाध्यक्ष इन्द्रानंद तिवारी,जिला महासचिव चन्द्रनाथ शुक्ल,ब्लॉक अध्यक्ष रविन्द्र मिश्र, बब्बू उपाध्याय पूर्व प्रधान, जगत बहादुर पटेल पूर्व प्रधान सड़वा खास, राजा राम सरोज, विक्रांत सिंह, विकास यादव, ब्रह्मप्रताप शुक्ला, आशुतोष पांडे, आयुष तिवारी, तेज प्रताप शर्मा, अनुराग सिंह, अख्तर अली, कमला कांत तिवारी, तूफानी गौतम, अजय तिवारी, लाल प्रताप सिंह, राम आधार पटेल आदि उपस्थित रहे।

निधन पर शोक संवेदनाएं

तालबेहट। गहोई समाज के पूर्व अध्यक्ष कैलाश नारायण नौगरइया (नन्ना) के आकस्मिक निधन पर गहोई समाज, जैन समाज, नगर उद्योग व्यापार मंडल, नगर व्यापार मंडल तथा सराफा समिति सहित विभिन्न संगठनों ने शोकसभा आयोजित कर गहरी संवेदना व्यक्त की। इस दौरान दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। इसी क्रम में नगर के सभ्रांत नागरिक अरुण चौबे 'राजू' तथा पत्रकार अनिल चतुर्वेदी 'अन्नू' की पूज्य माता व पूर्व प्रधान लीला देवी के आकस्मिक निधन पर यूपी जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा भी शोकसभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शोक व्यक्त करने वालों में अजय उपाध्याय, सुनील त्रिपाठी, अजय बुंदेला, हिमांशु सुडेले , सौरभ जैन, देवेंद्र यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

गायत्री मंत्र से होता है आत्मिक उत्थान और संकटों का निवारण - कैलाश नाथ तिवारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर- नगर पंचायत बिस्कोहर क्षेत्र के भरौली कैथोलिया में चल रहे पांच दिवसीय संगीतमय श्रीमद पावन प्रज्ञा पुराण कथा एवं गायत्री महायज्ञ के चौथे दिन रविवार रात श्रद्धालु भक्ति भाव में सराबोर रहे। कथा व्यास कैलाश नाथ तिवारी ने अपने प्रवचन में कहा कि 24 कलाओं से पूर्ण महाप्रज्ञा गायत्री का अवतार हो चुका है और मां गायत्री ही कामधेनु , कल्पवृक्ष तथा पारसमणि के समान हैं, जो साधक के जीवन को सुख, समृद्धि और ज्ञान से भर देती हैं।उन्होंने कहा कि मां गायत्री की आराधना का सर्वोत्तम माध्यम गायत्री मंत्र है। इसी मंत्र की महिमा बताते हुए उन्होंने कहा कि महर्षि विश्वामित्र ने यही दिव्य मंत्र भगवान श्रीराम को प्रदान किया था। आगे चलकर प्रभु श्रीराम ने शबरी को नवधा भक्ति के रूप में इसी मंत्र की दीक्षा दी थी, जिससे उनका जीवन धन्य हो गया। कथा व्यास ने श्रद्धालुओं को कथा का रसपान करते हुए कहा कि गायत्री मंत्र की संध्या साधना हर नर-नारी को नियमित रूप से करनी चाहिए। इससे मन की शुद्धि होती है, आत्मिक शक्ति बढ़ती है और जीवन में आने वाले संकट दूर होते हैं।कथा के दौरान भजन-कीर्तन और प्रवचन सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हो गए । इस अवसर पर मिठाई लाल यादव, आदर्श राम मौर्या, जंगली यादव, लवकुश यादव, स्वामीनाथ तिवारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना सामाजिक संवेदनशीलता और मानव मूल्यों के विकास का सशक्त माध्यम है : प्रो. सत्येंद्र कुमार दूबे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर- सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों – भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई इकाई, महारानी अहिल्या बाई होलकर इकाई एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस इकाई – के सप्त दिवसीय विशेष शिविर के तृतीय दिवस पर सोमवार को जनजागरण एवं स्वच्छता अभियान के साथ बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया। स्वयंसेवक-स्वयंसेविकाओं ने शिविर स्थल की स्वच्छता के पश्चात ग्राम संग्रामपुर में जनसंपर्क कर स्वच्छता, सेवा भाव एवं जनसहभागिता के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया।

बौद्धिक सत्र में अध्यक्षता करते हुए प्रो. सत्येन्द्र कुमार दुबे (अध्यक्ष, हिन्दी विभाग) ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं के चरित्र निर्माण, सामाजिक संवेदनशीलता और मानव मूल्यों के विकास का सशक्त माध्यम है। समाज को सकारात्मक दिशा देने में धैर्य, सहनशीलता और सेवा भाव जैसे गुणों का विशेष महत्व है, जिन्हें एनएसएस के माध्यम से विकसित किया जाता है।

मुख्य वक्ता डॉ. अरविन्द कुमार रावत (सहायक आचार्य, लोक प्रशासन विभाग) ने कहा कि आदर्श, मानव मूल्य और लोक संस्कृति के संरक्षण में राष्ट्रीय सेवा योजना की महत्वपूर्ण भूमिका है। एनएसएस के स्वयंसेवक समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना के साथ एक आदर्श नागरिक के रूप में समाज निर्माण में सक्रिय योगदान देते हैं। कार्यक्रम में डॉ. विशाल गुप्ता तथा डॉ. विमल चन्द्र वर्मा ने भी राष्ट्र निर्माण, सामाजिक सौहार्द एवं स्वच्छता के महत्व पर विचार व्यक्त किए। संध्या सत्र में स्वयंसेवक-स्वयंसेविकाओं द्वारा महिला दिवस, लोक संस्कृति और सामाजिक मूल्यों पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. यशवन्त यादव के निर्देशन में हुआ। स्वागत एवं आभार डॉ. सरिता सिंह द्वारा व्यक्त किया गया।